



## उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग

आयोग भवन, हरिद्वार- 249404

Website- psc.uk.gov.in

विज्ञापन संख्या:: A-1/JE(DR)/E-4/2023-24

'उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियन्ता सेवा परीक्षा-2023'

विज्ञापन प्रकाशन की तिथि	::	14 अक्टूबर, 2023
ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि	::	03 नवम्बर, 2023 (रात्रि 11:59:59 बजे तक)
Net Banking/Debit Card/Credit Card/UPI के माध्यम से परीक्षा शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि	::	03 नवम्बर, 2023 (रात्रि 11:59:59 बजे तक)
ऑनलाइन आवेदन पत्र में संशोधन/परिवर्तन करने की तिथि	::	10 से 19 नवम्बर, 2023 (रात्रि 11:59:59 बजे तक)

### अति महत्वपूर्ण निर्देश

(1) अभ्यर्थी अपने उर्ध्वाधर एवं क्षैतिज आरक्षण से सम्बन्धित श्रेणी/उप श्रेणी का अंकन ऑनलाइन आवेदन पत्र में अवश्य करें। आरक्षण का दावा न किये जाने की दशा में रिट् याचिका (स्पेशल अपील) संख्या : 79/2010 राधा मित्तल बनाम उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग में मा0 उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा पारित आदेश दिनांक 08.06.2010 तथा विशेष अनुज्ञा याचिका (सिविल) नं0 (एस) 19532/2010 में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के क्रम में अभ्यर्थी को आरक्षण का लाभ कदापि अनुमन्य नहीं होगा। अभ्यर्थी द्वारा आरक्षण विषयक विधिमान्य प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि तक अवश्य धारित करना चाहिए।

(2) अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि दिनांक 03 नवम्बर, 2023 तक विज्ञापन में वर्णित समस्त अनिवार्य शैक्षिक अर्हताएं एवं अन्य अर्हताएं अवश्य धारित करते हों। अभ्यर्थी की शैक्षिक अर्हता के संबंध में परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि (Result Declaration Date), वह तिथि मानी जाएगी जो अंक-पत्र निर्गत होने की तिथि (Marksheet Issuing Date) हो। अतः अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि ऑनलाइन आवेदन पत्र के शैक्षिक अर्हता (Qualification Details) के विवरण में, Result Declaration Date के कॉलम में, सम्बन्धित शैक्षिक अर्हता के अंक-पत्र निर्गत होने की तिथि (Marksheet Issuing Date) का अंकन अवश्य हो। विज्ञापन के अनुसार वांछित अर्हताओं की पुष्टि न होने पर अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा, जिसकी जिम्मेदारी पूर्णतः अभ्यर्थी की होगी।

(3) अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने से पूर्व विज्ञापन में वर्णित समस्त निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें तथा ऑनलाइन आवेदन पत्र को सही-सही भरें। किसी भी स्थिति में अपूर्ण आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे तथा अभ्यर्थी का अभ्यर्थन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि की प्रतीक्षा न करें, बल्कि उससे पूर्व ही अपना ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें।

(4) फर्जी प्रमाण पत्रों (यथा शैक्षिक योग्यता/आयु/आरक्षण सम्बन्धी इत्यादि) के आधार पर आवेदन पत्र प्रस्तुत करने वाले अभ्यर्थियों को आयोग की समस्त आगामी परीक्षाओं से अधिकतम 05 वर्षों के लिए प्रतिवारित (Debar) कर दिया जायेगा, साथ ही सुसंगत विधि के अंतर्गत ऐसे अभ्यर्थियों के विरुद्ध अभियोग भी दर्ज कराया जा सकता है।

(5) ऑनलाइन आवेदन पत्र स्वीकार किये जाने की निर्धारित अन्तिम तिथि/समय के पूर्व तक आवेदन पत्र में त्रुटि होने पर अभ्यर्थी अपना आवेदन निरस्त (Cancel) कर पुनः आवेदन कर सकते हैं, किन्तु इस दशा में जमा किया गया शुल्क वापस/समायोजित नहीं होगा अर्थात् अभ्यर्थी को संशोधित/नवीन ऑनलाइन आवेदन पत्र के सापेक्ष पुनः आवेदन शुल्क जमा करना होगा।

(6) ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि तक आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् ऑनलाइन आवेदन में अभ्यर्थियों द्वारा की गयी प्रविष्टियों में संशोधन/परिवर्तन (Edit/Correction) किये जाने हेतु केवल एक बार पुनः लिंक खोला जायेगा। अभ्यर्थी आवेदन पत्र की समस्त प्रविष्टियों को अत्यंत सावधानी पूर्वक भरें, ऑनलाइन आवेदन की प्रविष्टियों के अंतर्गत अभ्यर्थियों के नाम/जन्म तिथि/श्रेणी/उपश्रेणी/लिंग आदि में संशोधन हेतु अन्तिम तिथि के उपरांत मात्र

एक बार अवसर प्रदान किया जायेगा। विज्ञापन के बिन्दु संख्या-15 (संशोधन/परिवर्तन प्रक्रिया) में उल्लिखित प्राविधानानुसार ऑनलाइन आवेदन पत्र में अभ्यर्थियों द्वारा संशोधन/परिवर्तन (**Edit/Correction**) किया जायेगा।

अभ्यर्थियों को सचेत किया जाता है कि भविष्य में किसी भी असुविधा से बचने के लिए उक्त संशोधन/परिवर्तन का अवसर प्रदान करने के उपरान्त किसी भी दशा में अभ्यर्थी द्वारा उनके ऑनलाइन आवेदन पत्र में अंकित किसी भी प्रविष्टि/दावे को संशोधित/परिवर्तित करने के अनुरोध पर आयोग द्वारा विचार नहीं किया जायेगा।

(7) अभ्यर्थी लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा के आयोजन हेतु नगरों की सूची के लिए **परिशिष्ट-1**, परीक्षा की परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम हेतु **परिशिष्ट-2**, आरक्षण से संबंधित प्रमाण पत्रों के निर्धारित प्रारूप हेतु **परिशिष्ट-3**, न्यूनतम अर्हक अंक हेतु **परिशिष्ट-4** एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता धारित दिव्यांग अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किये जाने संबंधी मार्गदर्शिका सिद्धान्त हेतु **परिशिष्ट-5**, 40 प्रतिशत से कम दिव्यांगता धारित दिव्यांग अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किये जाने संबंधी मार्गदर्शिका सिद्धान्त हेतु **परिशिष्ट-6** तथा उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) के कनिष्ठ अभियन्ता पद हेतु वांछित अनुभव के प्रमाण-पत्र का प्रारूप हेतु **परिशिष्ट-7** का अवलोकन करें।

(8) आवेदन के इस चरण में ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रिंटआउट प्रति अथवा किसी भी अन्य प्रमाण-पत्र/अभिलेख को आयोग कार्यालय में जमा/प्रेषित करने की आवश्यकता नहीं है। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंट आउट, भविष्य में आयोग से किये जाने वाले पत्राचार व अन्य आवश्यक साक्ष्य/प्रयोग हेतु अपने पास सुरक्षित रखें तथा आयोग द्वारा मांगे जाने पर ही आयोग कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे। ऑनलाइन आवेदन-पत्र में किये गये दावों की पुष्टि हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र के स्वहस्ताक्षरित प्रिंटआउट के साथ अनिवार्य शैक्षिक अर्हता, अधिमानी अर्हता, आरक्षण, विभागीय अनापत्ति प्रमाण पत्र इत्यादि से संबंधित समस्त स्वहस्ताक्षरित प्रमाण-पत्रों की छायाप्रति अभिलेख सत्यापन के समय आयोग द्वारा मांगे जाने पर निर्धारित समय सीमा के अन्दर आयोग कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, अन्यथा की स्थिति में अभ्यर्थन निरस्त माना जायेगा। इस संबंध में अभ्यर्थियों के सूचनार्थ विज्ञप्ति आयोग की वेबसाइट व दैनिक समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशित की जायेगी।

(9) अंतिम चयन परिणाम से पूर्व लगभग 02 गुना अभ्यर्थियों को अभिलेख सत्यापन हेतु औपबंधिक रूप से सफल घोषित किया जायेगा। उक्तांकित अभ्यर्थियों से अभिलेख सत्यापन से पूर्व पदों की विभागवार ऑनलाइन वरीयता प्राप्त की जायेगी। अभिलेख सत्यापन से पूर्व निर्धारित समयान्तर्गत पदों की विभागवार ऑनलाइन वरीयता न भरने वाले अभ्यर्थियों को अभिलेख सत्यापन में सम्मिलित न करते हुए प्रश्नगत परीक्षा हेतु अनर्ह घोषित कर दिया जायेगा। अंतिम चयन परिणाम अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन पत्र में किये गये दावों के अनुसार आयोग कार्यालय में निर्धारित तिथि को अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र के स्वहस्ताक्षरित प्रिंटआउट के साथ अनिवार्य शैक्षिक अर्हता, अधिमानी अर्हता, आरक्षण, विभागीय अनापत्ति पत्र आदि से संबंधित समस्त प्रमाण पत्रों की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति की मूल अभिलेख से सत्यापन (**Document Verification**) उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग सन्निरीक्षा (**Scrutiny**) मार्गदर्शिका-2022 के आलोक में किये जाने के पश्चात मा0 आयोग द्वारा अनुमोदित कुल अर्ह अभ्यर्थियों को उनके प्रवीणता (**Merit**) के आधार पर उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया विनियमावली-2022 (यथासंशोधित) में विहित प्राविधानानुसार कुल पदों के सापेक्ष सफल घोषित किया जायेगा।

(10) प्रश्नगत विज्ञापन के सापेक्ष परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों को प्रवेश-पत्र डाक द्वारा प्रेषित नहीं किये जायेंगे अपितु ऑनलाइन प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर जारी किये जायेंगे। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन के अनुरूप प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। इस संबंध में अभ्यर्थियों के सूचनार्थ विज्ञप्ति राज्य के प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों एवं आयोग की वेबसाइट [psc.uk.gov.in](http://psc.uk.gov.in) पर प्रसारित की जायेगी।

(11) प्रश्नगत परीक्षा हेतु मात्र ऑनलाइन आवेदन पत्र एवं Net Banking/Debit Card/Credit Card/UPI के माध्यम से ही निर्धारित आवेदन शुल्क स्वीकार्य होगा। किसी अन्य प्रकार से किया गया आवेदन शुल्क स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि कोई अभ्यर्थी आवेदन पत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि तक निर्धारित शुल्क जमा नहीं करता है अथवा निर्धारित शुल्क से कम शुल्क जमा करता है, तो उसका आवेदन पत्र/अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(12) अभ्यर्थियों द्वारा अभिलेख सत्यापन के समय प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्रों/अभिलेखों की सन्निरीक्षा (**Scrutiny**) विज्ञापन में उल्लिखित शर्तों एवं उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग सन्निरीक्षा मार्गदर्शिका-2022 में उल्लिखित

प्राविधानानुसार सम्पादित की जाएगी। ऑनलाइन आवेदन-पत्र में किये गये दावों की पुष्टि हेतु वांछित अभिलेख उपलब्ध न कराने पर अभ्यर्थी को प्रश्नगत परीक्षा हेतु अनर्ह घोषित कर दिया जायेगा। अभ्यर्थी उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग सन्निरीक्षा मार्गदर्शिका-2022 जो आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, का अवलोकन कर सकते हैं।

(13) शासनादेश संख्या : 232/XXX(2)/2018-30(05)/2014, दिनांक 26 सितम्बर, 2018 के अनुक्रम में निःशक्तता से ग्रस्त दिव्यांगजन अभ्यर्थी भी अनारक्षित पद के सापेक्ष आवेदन कर सकते हैं, भले ही उनके लिए कोई रिक्ति आरक्षित हो या न हो, बशर्ते कि पद संगत श्रेणी की दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए चिन्हित किया गया हो। उक्त श्रेणी के निःशक्तता से ग्रस्त ऐसे अभ्यर्थियों को योग्यता के सामान्य मानकों द्वारा ऐसे पदों पर नियुक्ति हेतु चुने जाने के लिए विचार किया जायेगा, परन्तु दिव्यांगजन को सरकारी सेवा में प्रवेश के समय दिव्यांगता की श्रेणी से भिन्न सामान्य स्वास्थ्य उपयुक्तता का प्रमाण पत्र नियमानुसार नियुक्ति प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।

(14) उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी अधिसूचना संख्या : 168/XXXVI(3)/2023/10(01)/2023 दिनांक 27 अप्रैल, 2023 द्वारा उत्तराखण्ड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) अधिनियम-2023 प्रख्यापित किया गया है। किसी भी दुराचरण के लिए अभ्यर्थी के खिलाफ उत्तराखण्ड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) अधिनियम-2023 के प्राविधानानुसार कार्यवाही की जाएगी।

(15) ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि व नियत समय तक अभ्यर्थी द्वारा "Online Application" प्रक्रिया में पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र Submit करने तथा निर्धारित शुल्क जमा करने पर ही "Online Application" की प्रक्रिया पूर्ण मानी जाएगी।

"उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियन्ता सेवा परीक्षा-2023" हेतु इच्छुक/पात्र अभ्यर्थियों से विज्ञापन की शर्तानुसार ऑनलाइन आवेदन (Online Application) आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक/पात्र अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर दिनांक 03 नवम्बर, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

2. रिक्तियों की संख्या/विवरण :- "उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियन्ता सेवा परीक्षा-2023" के अन्तर्गत रिक्तियों की कुल संख्या 1097 है। रिक्तियों की संख्या बढ़ायी या घटायी जा सकती है। रिक्तियों का विवरण निम्नवत् है :-

क्र. सं.	विभाग का नाम	पदनाम/वेतनमान	रिक्तियों की संख्या	अनिवार्य शैक्षिक अर्हता	अधिमान्य अर्हता
1	ग्रामीण निर्माण विभाग	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) ₹44900-142400 (लेवल-7)	187 (UR-122, SC-18, ST-10, OBC-19, EWS-18)	उत्तराखण्ड/उत्तर प्रदेश प्राविधिक परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	(एक) प्रादेशिक सेना में दो वर्ष की न्यूनतम अवधि तक सेवा की हो, या (दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो, या (तीन) राष्ट्रीय सेवा योजना का "सी" प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो।
		कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) ₹44900-142400 (लेवल-7)	09 (UR-07, OBC-01, EWS-01)	उत्तराखण्ड/उत्तर प्रदेश प्राविधिक परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विद्युत इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	(एक) प्रादेशिक सेना में दो वर्ष की न्यूनतम अवधि तक सेवा की हो, या (दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो, या (तीन) राष्ट्रीय सेवा योजना का "सी" प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो।
		कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) ₹44900-142400 (लेवल-7)	05 (UR-03, SC-1, EWS-01)	उत्तराखण्ड/उत्तर प्रदेश प्राविधिक परिषद अथवा किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से सिविल अभियंत्रण में डिप्लोमा।	(एक) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" अथवा "सी" प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो।

2	सिंचाई विभाग	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) ₹44900-142400 (लेवल-7)	75 (UR-59, OBC-09, EWS-07)	(क) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय या संस्था द्वारा प्रदत्त सिविल अभियंत्रण में डिप्लोमा, अथवा (ख) उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा प्रदत्त सिविल अभियंत्रण में डिप्लोमा, अथवा (ग) अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा प्रदत्त सिविल अभियंत्रण में राष्ट्रीय प्रमाण-पत्र।	(एक) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष तक सेवा की हो, या (दो) नेशनल कैडेट कोर का "बी" अथवा "सी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो, या (तीन) सिविल अभियंत्रण में स्नातक उपाधि प्राप्त की हो।
		कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) ₹44900-142400 (लेवल-7)	63 (UR-51, SC-01, ST-01, OBC-04, EWS-06)	(क) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय या संस्था द्वारा प्रदत्त यांत्रिक/ विद्युत अभियंत्रण में डिप्लोमा, अथवा (ख) उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा प्रदत्त यांत्रिक/ विद्युत अभियंत्रण में डिप्लोमा, अथवा (ग) अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा प्रदत्त यांत्रिक/ विद्युत अभियंत्रण में राष्ट्रीय प्रमाण-पत्र।	(एक) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष तक सेवा की हो, (दो) नेशनल कैडेट कोर का "बी" अथवा "सी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो, या (तीन) यांत्रिक/विद्युत अभियंत्रण में स्नातक उपाधि प्राप्त की हो।
3	लघु सिंचाई विभाग	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) ₹44900-142400 (लेवल-7)	22 (UR-14, SC-03, OBC-03, EWS-02)	(1) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी संस्थान द्वारा प्रदत्त सिविल अभियंत्रण में तीन वर्षीय डिप्लोमा, या (2) अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा सिविल अभियंत्रण में प्रदत्त राष्ट्रीय प्रमाण-पत्र।	(एक) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम दो वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।
		कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) ₹44900-142400 (लेवल-7)	18 (UR-09, SC-04, ST-01, OBC-03, EWS-01)	(1) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी संस्थान द्वारा प्रदत्त यांत्रिक अभियंत्रण में तीन वर्षीय डिप्लोमा, या (2) अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा यांत्रिक अभियंत्रण में प्रदत्त राष्ट्रीय प्रमाण-पत्र।	(एक) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम दो वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।
		कनिष्ठ अभियन्ता (कृषि) ₹44900-142400 (लेवल-7)	06 (UR-03, OBC-03)	(1) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी संस्थान द्वारा प्रदत्त कृषि अभियंत्रण में तीन वर्षीय डिप्लोमा, या (2) अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा कृषि अभियंत्रण में प्रदत्त राष्ट्रीय प्रमाण-पत्र।	(एक) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम दो वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।
4	पंचायतीराज विभाग	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) ₹44900-142400 (लेवल-7)	41 (UR-23, SC-07, ST-1, OBC-06, EWS-04)	निम्नलिखित में से किसी संस्था में सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्राप्त हो - 1- रूडकी विश्वविद्यालय, या 2- हीवेट इंजीनियरिंग स्कूल लखनऊ, या 3- सिविल इंजीनियरिंग कालेज, लखनऊ, या 4- अलोगढ़ इंजीनियरिंग कालेज, या 5- पूना इंजीनियरिंग कालेज, या 6- उड़ीसा इंजीनियरिंग कालेज, या 7- एम0जी0 टेक्निकल इंस्टीट्यूट या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य संस्था या राजकीय प्राविधिक शिक्षा परिषद् द्वारा दिया गया सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	---
5	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल संस्थान	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) ₹44900-142400 (लेवल-7)	79 (UR-47, SC-03, ST-03, OBC-19, EWS-07)	शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था या विश्वविद्यालय से सिविल अभियन्त्रिकी में 03 वर्ष का डिप्लोमा किया हो।	(एक) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष तक सेवा की हो, या (दो) नेशनल कैडेट कोर का "बी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।

	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पेयजल निगम	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) ₹44900-142400 (लेवल-7)	50 (UR-40, ST-1, OBC-04, EWS-05)	किसी मान्यता प्राप्त संस्था या भारत में विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया सिविल इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा।	(एक) दो वर्ष की न्यूनतम अवधि तक प्रादेशिक सेना में सेवा की हो, या (दो) उसने राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।
		कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक) ₹44900-142400 (लेवल-7)	12 (UR-09, OBC-02, EWS-01)	किसी मान्यता प्राप्त संस्था या भारत में विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया विद्युत/यांत्रिक इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा।	(एक) दो वर्ष की न्यूनतम अवधि तक प्रादेशिक सेना में सेवा की हो, या (दो) उसने राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।
6	लोक निर्माण विभाग	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) ₹44900-142400 (लेवल-7)	210 (UR-176, SC-07, ST-02, OBC-06, EWS-19)	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/पॉलिटेक्निक से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	1. प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या 2. राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया हो और 3. प्रशिक्षणार्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
		कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) ₹44900-142400 (लेवल-7)	16 (UR-10, SC-02, OBC-03, EWS-01)	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/पॉलिटेक्निक से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	1. प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या 2. राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया हो और 3. प्रशिक्षणार्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
		कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) ₹44900-142400 (लेवल-7)	02 (UR-02)	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/पॉलिटेक्निक से यांत्रिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	1. प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या 2. राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया हो और 3. प्रशिक्षणार्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
		कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) ₹44900-142400 (लेवल-7)	24 (UR-20, OBC-02, EWS-02)	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/पॉलिटेक्निक से विद्युत इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	1. प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या 2. राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया हो और 3. प्रशिक्षणार्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
7	ऊर्जा विभाग	विद्युत अवर अभियन्ता ₹44900-142400 (लेवल-7)	09 (UR-06, SC-01, OBC-01, EWS-01)	सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय या संस्था से विद्युत अभियंत्रण में डिप्लोमा।	(एक) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष की सेवा की हो, या (दो) नेशनल कैडेट कोर का "बी" अथवा "सी" प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो।
8	आवास विभाग	अवर अभियन्ता (सिविल) ₹44900-142400 (लेवल-7)	135 (UR-74, SC-26, ST-05, OBC-16, EWS-14)	राज्य सरकार/केन्द्र सरकार से मान्यता प्राप्त संस्थान/पॉलिटेक्निक/तकनीकी शिक्षण संस्था से सिविल अभियंत्रण में डिप्लोमा।	1. क्षेत्रीय सेना में कम से कम 02 वर्ष की सेवा कर चुका हो, या 2. राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी' श्रेणी का प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो।
9	कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग	कनिष्ठ अभियन्ता (अधीनस्थ कृषि सेवा वर्ग-1 अभियंत्रण शाखा) ₹44900-142400 (लेवल-7)	37 (UR-24, SC-05, ST-01, OBC-04, EWS-03)	भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी संस्था से कृषि/सिविल/मैकेनिकल/विद्युत अभियांत्रिकी में 03 वर्ष का डिप्लोमा।	(एक) प्रादेशिक सेना में न्यूनतम दो वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" अथवा "सी" प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो।

10	शहरी विकास विभाग	अवर अभियन्ता (सिविल) ₹9300-34,800 ग्रेड वेतन ₹4600 (सादृश्य मैट्रिक लेवल-7)	32 (UR-18, SC-04, ST-02, OBC-05, EWS-03)	केन्द्र अथवा किसी राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त किसी प्राविधिक संस्था से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	(एक) प्रादेशिक सेना में दो वर्ष की न्यूनतम अवधि तक सेवा की हो, या (दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" अथवा "सी" प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो।
11	उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा)	कनिष्ठ अभियन्ता ₹44900-142400 प्रारम्भिक वेतन ₹44900	10 (UR-06, SC-02, OBC-01, EWS-01)	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से सिविल, इलैक्ट्रीकल अथवा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा एवं दो वर्ष का अनुभव।	---
12	पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि0	अवर अभियन्ता (जानपद) (प्रशिक्ष) ₹44900-142400 प्रारम्भिक वेतन ₹44900 (लेवल-8)	05 (SC-01, ST-01, OBC-03)	1- सामान्य/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों के पास न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को उत्तीर्ण अंकों के साथ सिविल इंजीनियरिंग में विधि द्वारा स्थापित स्टेट बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन/यूनिवर्सिटी या संस्थान या केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य संस्थान या AICTE से नियमित सिविल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा होना चाहिए। 2- उत्तराखण्ड राज्य के तीनों ऊर्जा निगमों (पिटकुल को सम्मिलित करते हुए) में कार्यरत सामान्य/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विभागीय अभ्यर्थी के पास न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ डिप्लोमा कोर्स और 3- उत्तराखण्ड राज्य के तीनों ऊर्जा निगमों (पिटकुल को सम्मिलित करते हुए) में कार्यरत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के विभागीय अभ्यर्थी पास अंकों के साथ योग्य होंगे। 4- अभ्यर्थी को हिन्दी भाषा में पढ़ने, लिखने और बोलने का ज्ञान होना चाहिए।	---
13	उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी. एन.एल)	अवर अभियन्ता (प्रशिक्ष) (विद्युत एवं यांत्रिक) (विद्युत शाखा) ₹44900-142400 (लेवल-8, यूजेवीएन लिमिटेड की मैट्रिक्स के अनुसार)	15 (UR-07, SC-05, ST-01, OBC-01, EWS-01)	अभ्यर्थी को भारत/राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पौलिटैक्निक/संस्थान से इलेक्ट्रिकल अभियंत्रण में तीन वर्षीय डिप्लोमा होना आवश्यक है, सामान्य/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए डिप्लोमा में 55 प्रतिशत अंकों के साथ एवं उत्तराखण्ड राज्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए उपरोक्त तीन वर्षीय डिप्लोमा में केवल उत्तीर्ण होना आवश्यक है। विभागीय (उजविनि लिमिटेड में कार्यरत) अभ्यर्थी को उपरोक्त तीन वर्षीय डिप्लोमा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।	---
		अवर अभियन्ता (प्रशिक्ष) (विद्युत एवं यांत्रिक) (यांत्रिक शाखा) ₹44900-142400 (लेवल-8, यूजेवीएन लिमिटेड की मैट्रिक्स के अनुसार)	10 (UR-04, SC-03, ST-01, OBC-01, EWS-01)	अभ्यर्थी को भारत/राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पौलिटैक्निक/संस्थान से मैकेनिकल अभियंत्रण में तीन वर्षीय डिप्लोमा होना आवश्यक है, सामान्य/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	---

			के अभ्यर्थियों के लिए डिप्लोमा में 55 प्रतिशत अंको के साथ एवं उत्तराखण्ड राज्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए उपरोक्त तीन वर्षीय डिप्लोमा में केवल उत्तीर्ण होना आवश्यक है। विभागीय (उजविनि लिमिटेड में कार्यरत) अभ्यर्थी को उपरोक्त तीन वर्षीय डिप्लोमा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।	
	अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (जानपद) ₹44900-142400 (लेवल-8, यूजेवीएन लिमिटेड की मैट्रिक्स के अनुसार)	25 (UR-11, SC- 04, ST-01, OBC-07, EWS-02)	अभ्यर्थी को भारत/राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पौलिटेक्निक/संस्थान से सिविल अभियंत्रण में तीन वर्षीय डिप्लोमा होना आवश्यक है, सामान्य/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए डिप्लोमा में 55 प्रतिशत अंको के साथ एवं उत्तराखण्ड राज्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए उपरोक्त तीन वर्षीय डिप्लोमा में केवल उत्तीर्ण होना आवश्यक है। विभागीय (उजविनि लिमिटेड में कार्यरत) अभ्यर्थी को उपरोक्त तीन वर्षीय डिप्लोमा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।	-

### 3. पद का स्वरूप : विज्ञापित पदों का स्वरूप एवं पेंशन का प्रकार निम्नवत है:-

क्र०सं०	विभाग एवं पद का नाम	पद का स्वरूप	पेंशन का प्रकार
01	ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
	ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
	ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
02	सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
	सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
03	लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
	लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
	लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (कृषि)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
04	पंचायतीराज विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
05	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल संस्थान, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पेयजल निगम, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पेयजल निगम, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
06	लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त

	लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
	लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
	लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
07	ऊर्जा विभाग, विद्युत अवर अभियन्ता	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
08	आवास विभाग, अवर अभियन्ता (सिविल)	समूह 'ग', अस्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
09	कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (अधीनस्थ कृषि सेवा वर्ग-1 अभियंत्रण शाखा)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
10	शहरी विकास विभाग, अवर अभियन्ता (सिविल)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	अंशदायी पेंशनयुक्त
11	उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा), कनिष्ठ अभियन्ता	समूह 'ग', अस्थायी, अराजपत्रित	ई.पी.एफ. पेंशनयुक्त
12	पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि0, अवर अभियन्ता (जानपद)	समूह 'ग', स्थायी, अराजपत्रित	ई.पी.एफ. पेंशनयुक्त
13	उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी.एन. एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (विद्युत एवं यांत्रिक) (विद्युत शाखा)	समूह 'ग', स्थायी एवं अस्थायी, अराजपत्रित	ई.पी.एस.-1995 से आच्छादित
	उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी.एन. एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (विद्युत एवं यांत्रिक) (यांत्रिक शाखा)	समूह 'ग', स्थायी एवं अस्थायी, अराजपत्रित	ई.पी.एस.-1995 से आच्छादित
	उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी.एन. एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (जानपद)	समूह 'ग', स्थायी एवं अस्थायी, अराजपत्रित	ई.पी.एस.-1995 से आच्छादित

**4. विज्ञापित पदों का विस्तृत विवरण : 'उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियन्ता सेवा परीक्षा-2023' में विभागवार/पदवार, क्षैतिज आरक्षण का विवरण निम्नवत् है :-**

विभाग एवं पद का नाम	ऊर्ध्वाधर श्रेणी	उत्तराखण्ड महिला	उत्तराखण्ड के अनाथ बच्चे	निःशक्तजन (दिव्यांग)	पूर्व सैनिक	स्व0सं0 सेनानी आश्रित
ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	UR	36	6	7 (LV/PB-3, HH/PD-2, OA/OL/Dw/LC/AAV/AV-2)	9	3
	SC	5	1			
	ST	4	0			
	OBC	6	1			
	EWS	5	1			
ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)	UR	2	0	0	0	0
	SC	0	0			
	ST	0	0			
	OBC	0	0			
	EWS	0	0			
ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक)	UR	1	0	0	0	0
	SC	0	0			
	ST	0	0			
	OBC	0	0			
	EWS	0	0			
	UR	17	3		3	1



सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	SC	0	0	3 (LV/PB-1, HH/PD-1, Hp/MD-1)		
	ST	0	0			
	OBC	3	0			
	EWS	2	0			
सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)	UR	15	3	3 (LV/PB-1, HH/PD-1, Hp/MD-1)	3	1
	SC	0	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	2	0			
लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	UR	4	1	1 (HH/PD)	1	0
	SC	1	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	0	0			
लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)	UR	3	0	1 (HH/PD)	0	0
	SC	1	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	0	0			
लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (कृषि)	UR	0	0	0	0	0
	SC	0	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	0	0			
पंचायतीराज विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	UR	6	1	1 (LV/PB)	1	0
	SC	2	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	1	0			
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल संस्थान, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	UR	14	2	4 (LV/PB-1, HH/PD-1, OA/OL/LC/AAV/AV/DW-2)	3	1
	SC	1	0			
	ST	1	0			
	OBC	5	1			
	EWS	2	0			
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पेयजल निगम, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	UR	12	2	2 (HH/PD)	2	1
	SC	0	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	2	0			
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पेयजल निगम, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत / यांत्रिक)	UR	02	0	0	0	0
	SC	0	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	0	0			
लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	UR	52	8	20 (LV/PB-2, HH/PD-11, OA/OL/Dw/AAV/AV-5, MD-2)	10	4
	SC	2	0			
	ST	1	0			
	OBC	2	0			
	EWS	6	0			

लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक)	UR	2	0	2 (LV/PB-1, OA/OL/Dw/AAV/AV-1)	0	0
	SC	1	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	0	0			
लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)	UR	0	0	0	0	0
	SC	0	0			
	ST	0	0			
	OBC	0	0			
	EWS	0	0			
लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)	UR	5	1	1 (AAV/AV)	1	0
	SC	0	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	1	0			
ऊर्जा विभाग, विद्युत अवर अभियन्ता	UR	2	0	Exempted	0	0
	SC	0	0			
	ST	0	0			
	OBC	0	0			
	EWS	0	0			
आवास विभाग, अवर अभियन्ता (सिविल)	UR	22	3	5 (LV/PB-2, OA/BL/LC/Dw/AAV/AV/OAL -2, ID/ASD/MD/Hp/Th-1)	7	2
	SC	8	1			
	ST	2	0			
	OBC	5	0			
	EWS	4	1			
कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (अधीनस्थ कृषि सेवा वर्ग-1 अभियंत्रण शाखा)	UR	7	1	1 (LV/PB)	1	0
	SC	2	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	1	0			
शहरी विकास विभाग, अवर अभियन्ता (सिविल)	UR	5	1	1 (HH/PD)	1	0
	SC	2	0			
	ST	0	0			
	OBC	1	0			
	EWS	1	0			
उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा), कनिष्ठ अभियन्ता	UR	2	0	0	0	0
	SC	1	0			
	ST	0	0			
	OBC	0	0			
	EWS	0	0			
पावर ट्रॉसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि0, अवर अभियन्ता (जानपद)	UR	0	0	0	0	0
	SC	0	0			
	ST	0	0			
	OBC	0	0			
	EWS	0	0			
उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी. एन.एल), अवर अभियन्ता	UR	2	0	1 (HH/PD)	0	0
	SC	1	0			
	ST	0	0			
	OBC	0	0			
	EWS	0	0			

(प्रशिक्षु) (विद्युत एवं यांत्रिक) (विद्युत शाखा)	EWS	0	0			
उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी. एन.एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (विद्युत एवं यांत्रिक) (यांत्रिक शाखा)	UR	1	0	0	0	0
	SC	1	0			
	ST	0	0			
	OBC	0	0			
	EWS	0	0			
उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी. एन.एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (जानपद)	UR	3	0	1 (HH/PD)	0	0
	SC	1	0			
	ST	0	0			
	OBC	2	0			
	EWS	0	0			

**नोट-** उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 48/XVII-A-3/2023-01(11)/वि0क0/2017 दिनांक 05 जून, 2023 के द्वारा विज्ञापित विभागों के कनिष्ठ/अवर अभियन्ता का पद दिव्यांगजन की निम्नलिखित श्रेणियों हेतु चिन्हित किया गया है। तत्क्रम में उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 232(1)/XXX(2)/2018 दिनांक 26 सितम्बर, 2018 के प्रस्तर-6 के अनुक्रम में चिन्हित दिव्यांगजन उपश्रेणी के अभ्यर्थी अनारक्षित पदों के सापेक्ष खुली प्रतियोगिता के माध्यम से चयन हेतु आवेदन कर सकते हैं। उक्त के अतिरिक्त दिव्यांगजन की अन्य उपश्रेणियों से सम्बन्धित आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे :-

विभाग एवं पद का नाम	शासनादेश संख्या : 48 दिनांक 05.06.2023 द्वारा चिह्नित दिव्यांगता की श्रेणी/उपश्रेणी
ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	OA, OL, LV/PB, HH/PD, Dw, LC, AAV/AV
ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)	OA, OL, LV/PB, HH/PD, Dw, LC, AAV/AV
ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक)	OA, OL, LV/PB, HH/PD, Dw, LC, AAV/AV
सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	OL, OA, BL, LC, Dw, AAV/AV, HH/PD, OAL, HP, LV/PB
सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)	OL, OA, BL, LC, Dw, AAV/AV, HH/PD, OAL, HP, LV/PB
लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	OA, OL, LV/PB, HH/PD, Dw, AAV/AV, LC
लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)	OA, OL, LV/PB, HH/PD, Dw, AAV/AV, LC
लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (कृषि)	OA, OL, LV/PB, HH/PD, Dw, AAV/AV, LC
पंचायतीराज विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	OA, OL, LV/PB, HH/PD, LC, AAV/AV, Dw
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल संस्थान, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	LV/PB, HH/PD, OA, OL, LC, AAV/AV, Dw
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पेयजल निगम, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	LV/PB, HH/PD, OL, OA, LC, AAV/AV, Dw
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पेयजल निगम, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)	LV/PB, HH/PD, OL, OA, LC, AAV/AV, Dw
लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	OA, OL, HH/PD, LV/PB, Dw, AAV/AV
लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक)	OA, OL, HH/PD, LV/PB, Dw, AAV/AV
लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)	AAV/AV
लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)	AAV/AV
ऊर्जा विभाग, विद्युत अवर अभियन्ता	Exempted (दिव्यांगजन के आरक्षण से उन्मोचित)
आवास विभाग, अवर अभियन्ता (सिविल)	OA, BL, LV/PB, LC, AAV/AV, ASD, ID, MD, Th, Hp, OAL, Dw
कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (अधीनस्थ कृषि सेवा वर्ग-1 अभियंत्रण शाखा)	LV/PB, HH/PD, OA, OL, LC, Dw, AAV/AV, Th, Hp
शहरी विकास विभाग, अवर अभियन्ता (सिविल)	OA, OL, LV/PB, HH/PD, D, LC, Dw, AAV/AV
उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा), कनिष्ठ अभियन्ता	OA, OL, LC, HH/PD, Dw, AAV/AV
पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि0, अवर अभियन्ता (जानपद)	OA, OL, HH/PD, AAV/AV, LC, Dw

उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी.एन.एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (विद्युत एवं यांत्रिक) (विद्युत शाखा)	OA, OL, HH/PD, AAV/AV, LC, Dw
उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी.एन.एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (विद्युत एवं यांत्रिक) (यांत्रिक शाखा)	OA, OL, HH/PD, AAV/AV, LC, Dw
उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी.एन.एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (जानपद)	OA, OL, HH/PD, AAV/AV, LC, Dw

## 5. कनिष्ठ/अवर अभियन्ता के पदों पर भर्ती के लिए अन्य अनिवार्य/वांछनीय अर्हता निम्नवत् है—

विज्ञापित पद हेतु अनिवार्य/वांछनीय अर्हता का निर्धारण 'उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत तथा लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर समूह 'ग' के पदों की भर्ती के लिए अनिवार्य/वांछनीय अर्हता नियमावली, 2010' (यथा संशोधित) में उल्लिखित निम्नलिखित प्राविधानों के अनुसार किया जायेगा :-

(i) शासन की अधिसूचना संख्या : 164/XXX-2/19-01(17)/2012 दिनांक-28 जून, 2019 द्वारा 'उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत तथा लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर समूह 'ग' के सीधी भर्ती के पदों पर भर्ती हेतु आवेदन करने के लिए, वही अभ्यर्थी पात्र होगा, जिसने अपनी हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट अथवा इनके समकक्ष स्तर की शिक्षा उत्तराखण्ड राज्य में स्थित मान्यता प्राप्त संस्थानों से उत्तीर्ण की हो,

परन्तु यह कि सैनिक/अर्द्धसैनिक बलों में कार्यरत तथा राज्य सरकार अथवा उसके अधीन स्थापित किसी राजकीय/अर्द्धशासकीय संस्था में नियमित पदों पर नियमित रूप से नियुक्त कार्मिकों एवं केन्द्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों में नियमित पदों पर नियमित रूप से उत्तराखण्ड में कार्यरत ऐसे कर्मी, जिनकी सेवाएँ उत्तराखण्ड से बाहर स्थानांतरित नहीं हो सकती हों, स्वयं अथवा उनके पति/पत्नी, जैसी भी स्थिति हो, तथा उनके पुत्र/पुत्री, राज्याधीन सेवाओं में समूह "ग" के सीधी भर्ती के पदों पर चयन हेतु आवेदन के पात्र होंगे,

परन्तु यह और कि राज्य के स्थायी निवासी जो अजीविका/अध्ययन हेतु उत्तराखण्ड के बाहर निवासरत हैं, के स्वयं अथवा उनके पति/पत्नी, जैसी भी स्थिति हो तथा उनके पुत्र/पुत्री भी समूह "ग" के सीधी भर्ती के पदों पर आवेदन हेतु पात्र होंगे।

(ii) उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत तथा लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर समूह "ग" के पदों की भर्ती के लिए अनिवार्य शैक्षिक अर्हता/वांछनीय अर्हता नियमावली, 2010 के नियम-4 के अनुसार उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत समूह "ग" के पद पर सीधी भर्ती हेतु वही अभ्यर्थी पात्र होगा जिसका नाम उत्तराखण्ड राज्य में स्थित किसी सेवायोजन कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्ति की अन्तिम तिथि तक अवश्य पंजीकृत हो।

परन्तु शासन के पत्रांक : 1097/XXX(2)/2011 दिनांक 08 अगस्त, 2011 के अनुसार "जो व्यक्ति पूर्व से ही राज्याधीन सेवाओं में सेवायोजित है, किन्तु इस विज्ञापन में विज्ञापित पदों के सापेक्ष आवेदन करने के इच्छुक हैं, उनके लिए सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। "उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-310/XXX(2)/2015, दिनांक 28.07.2015 के अनुसार राज्याधीन सेवाओं के अन्तर्गत केवल उत्तराखण्ड राज्य की सेवाएँ सम्मिलित हैं।"

ऐसे अभ्यर्थी जो उत्तराखण्ड राज्य की सेवाओं से इतर अन्य सेवाओं में कार्यरत हैं, अपने विभाग से सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण हेतु अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण करा सकते हैं। उपरोक्त अभ्यर्थियों को उनके ऑनलाइन आवेदन-पत्र में किये गये दावों के क्रम में जिनके द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण होने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया गया है, को इस शर्त के साथ औपबन्धिक रूप से अर्ह किया जायेगा कि वह इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करे कि उनके द्वारा सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण हेतु अपने विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया है तथा इसकी सूचना सम्बन्धित सेवायोजन कार्यालय को दे दी गयी है। इस प्रकार उक्त दोनों आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर ही उस अभ्यर्थी को अर्ह माना जायेगा।

(iii) शासन के पत्रांक : 809/XXX(2)/2010-3(1)/2010 दिनांक 14 अगस्त, 2012 के अनुसार "जिन पूर्व सैनिकों द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के किसी जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में पंजीकरण कराया गया है उन्हें पुनः सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी और जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय द्वारा सम्बन्धित पूर्व सैनिकों को निर्गत पंजीकरण सम्बन्धी प्रमाण-पत्र को सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण के समतुल्य माना जायेगा।"

नोट— अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन किये जाने हेतु अनिवार्य/वांछनीय अर्हता के प्रस्तर—i, ii, iii में उल्लिखित शर्तों के अंतर्गत किसी भी एक शर्त को पूरा करना आवश्यक है, जो अभ्यर्थी पर लागू हो।

**6. आयु :-** आयु गणना की विनिश्चायक तिथि 01 जुलाई, 2023 है। प्रश्नगत पद हेतु न्यूनतम आयु सीमा यथास्थिति विभागवार 18/21 वर्ष एवं अधिकतम 42 वर्ष निर्धारित है। इस प्रकार आयु गणना की विनिश्चायक तिथि 01 जुलाई, 2023 को अभ्यर्थी की आयु यथास्थिति विभागवार न्यूनतम 18/21 वर्ष तथा अधिकतम 42 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। इस प्रकार अभ्यर्थी का जन्म यथास्थिति 02 जुलाई, 1981 के पूर्व तथा यथास्थिति 01 जुलाई, 2005/01 जुलाई, 2002 के पश्चात् नहीं होना चाहिए। विज्ञापित पदों हेतु न्यूनतम एवं उच्चतम आयु सीमा निम्नवत है:-

क्र०सं०	विभाग/पद का नाम	न्यूनतम आयु सीमा	उच्चतम आयु सीमा
01	ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	18 वर्ष	42 वर्ष
	ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)		
	ग्रामीण निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक)		
02	सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	21 वर्ष	42 वर्ष
	सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)		
03	लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	21 वर्ष	42 वर्ष
	लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)		
	लघु सिंचाई विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (कृषि)		
04	पंचायतीराज विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	18 वर्ष	42 वर्ष
05	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल संस्थान, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	21 वर्ष	42 वर्ष
	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पेयजल निगम, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)		
	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पेयजल निगम, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)		
06	लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	21 वर्ष	42 वर्ष
	लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक)		
	लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक)		
	लोक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)		
07	ऊर्जा विभाग, विद्युत अवर अभियन्ता	21 वर्ष	42 वर्ष
08	आवास विभाग, अवर अभियन्ता (सिविल)	21 वर्ष	42 वर्ष
09	कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग, कनिष्ठ अभियन्ता (अधीनस्थ कृषि सेवा वर्ग-1 अभियंत्रण शाखा)	21 वर्ष	42 वर्ष
10	शहरी विकास विभाग, अवर अभियन्ता (सिविल)	21 वर्ष	42 वर्ष
11	उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा), कनिष्ठ अभियन्ता	21 वर्ष	42 वर्ष
12	पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि०, अवर अभियन्ता (जानपद)	18 वर्ष	42 वर्ष
13	उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी.एन. एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (विद्युत एवं यांत्रिक) (विद्युत शाखा)	18 वर्ष	42 वर्ष

उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी.एन. एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (विद्युत एवं यांत्रिक) (यांत्रिक शाखा)		
उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू.जे.वी.एन. एल), अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) (जानपद)		

**नोट:-** ऐसे अभ्यर्थी जिनके द्वारा पूर्व में उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा निरस्त की गयी 'उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियन्ता सेवा परीक्षा-2021' हेतु आवेदन किया गया था और यदि ऐसे अभ्यर्थी 'उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियन्ता सेवा परीक्षा-2023' हेतु आयु सीमा निर्धारण की अंतिम तिथि 01.07.2023 को अधिवयस्क हो रहे हैं तो ऐसे अभ्यर्थियों को प्रश्नगत परीक्षा में सम्मिलित किया जायेगा।

**7. अधिकतम आयु सीमा में छूट :-** विभिन्न श्रेणियों/उपश्रेणियों के अभ्यर्थियों हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत एवं वर्तमान में प्रचलित शासनादेशों के अनुसार उच्चतम आयु सीमा में उनके आरक्षण की श्रेणी तथा उप श्रेणी के अनुसार छूट अनुमन्य होगी।

उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति/उत्तराखण्ड अनुसूचित जनजाति/उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को शासनादेश संख्या : 1399/XXX(2)/2005 दिनांक 21 मई, 2005 द्वारा सीधी भर्ती हेतु अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य है।

उत्तराखण्ड के दिव्यांग अभ्यर्थियों को शासनादेश संख्या : 1244/XXX(2)/2005 दिनांक 21 मई, 2005 द्वारा समूह-'ग' के पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट अनुमन्य है।

उत्तराखण्ड के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थियों के लिए शासनादेश संख्या : 1244/XXX(2)/2005 दिनांक 21 मई, 2005 द्वारा अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य है।

अधिसूचना संख्या : 6/1/72 कार्मिक-2 दिनांक 25 अप्रैल, 1977 के अनुसार उत्तराखण्ड के पूर्व सैनिकों को अपनी वास्तविक आयु में से सशस्त्र सेना में अपनी सेवा की अवधि कम करने की अनुमति दी जायेगी और यदि परिणामजन्य आयु इस पद/सेवा के निमित्त जिनके लिए वह नियुक्ति का इच्छुक हो विहित अधिकतम आयु सीमा से 03 वर्ष से अधिक न हो तो यह समझा जायेगा की वह उच्च आयु सीमा से सम्बन्धित शर्त को पूरा करता है।

शासनादेश संख्या : 406(1)/XXX(2)/2021-55(41)2004 दिनांक 18 जनवरी, 2021 में यह उल्लिखित है कि शासनादेश संख्या : 124/XXX(2)/2020-53(01)2001 दिनांक 22 मई, 2020 द्वारा भूतपूर्व सैनिकों को राज्याधीन सेवाओं में सेवामुक्ति के संबंध में दिशा-निर्देश निर्गत हैं। भारत सरकार के O.M. No. 36034/6/90-Estt. (SCT) दिनांक 02 अप्रैल, 1992 के संदर्भ में शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि the ex-servicemen candidates who have already secured employment under the State Govt. in Groups C & D will be permitted the benefit of age relaxation as prescribed for ex-servicemen for securing another employment in a higher grade or cadre in Group C/D under the State Govt. However such candidates will not be eligible for the benefit of reservation for ex-servicemen in State Govt. jobs.

यदि अभ्यर्थी एक से अधिक उपश्रेणी का दावा करता है तो वह केवल एक उपश्रेणी, जो उसके लिए अधिक लाभदायक होगी, का लाभ पाने का पात्र होगा।

**8. आरक्षण :-** उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित, दिव्यांग, उत्तराखण्ड महिला एवं उत्तराखण्ड के अनाथ अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण भर्ती के समय प्रवृत्त सरकारी आदेशों के अनुसार प्रदान किया जायेगा। ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज आरक्षण, शासन द्वारा निर्गत तथा अद्यतन प्रचलित शासनादेश के आधार पर केवल उत्तराखण्ड राज्य के अधिवासी अभ्यर्थियों को ही अनुमन्य होगा।

(क) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, अनाथ, पूर्व सैनिक, दिव्यांगजन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित (डी0एफ0एफ0) तथा उत्तराखण्ड महिला श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थी, जो उत्तराखण्ड राज्य के अधिवासी नहीं हैं, को आरक्षण का लाभ अनुमन्य नहीं होगा।

(ख) यदि अभ्यर्थी आरक्षण की एक से अधिक उपश्रेणी में आरक्षण का दावा करता है तो वह केवल एक उपश्रेणी, जो उसके लिए अधिक लाभदायक होगी, का लाभ पाने का पात्र होगा।

(ग) ऑनलाइन आवेदन पत्र के संबंधित कॉलम में उर्ध्व/क्षैतिज श्रेणी का दावा करने पर ही आरक्षण का लाभ अनुमन्य किया जायेगा।

(घ) उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या-64/XXXVI(3)/2019/19(1)/2019, दिनांक 07.03.2019 द्वारा उत्तराखण्ड लोक सेवा (आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों हेतु आरक्षण) अधिनियम 2019 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को राज्याधीन लोक सेवाओं और सीधी भर्ती के पदों में 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है। **आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का प्रमाण पत्र जिस वर्ष हेतु निर्गत किया जाये, उस वर्ष से पूर्व वित्तीय वर्ष की आय के आधार पर जारी होना चाहिए।** उक्त के अतिरिक्त अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि तक अवश्य धारित व मान्य होना चाहिये शासन द्वारा जारी अधिसूचना संख्या-29/XXXVI(3)/2019/03(1)/2019, दिनांक 05.02.2019 के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण का लाभ मात्र उत्तराखण्ड राज्य के स्थायी निवासी अभ्यर्थियों को ही अनुमन्य होगा। इस श्रेणी के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को **अधिकतम आयु सीमा में किसी भी प्रकार की छूट अनुमन्य नहीं है।**

(ङ) आरक्षण के लाभ का दावा करने वाले अभ्यर्थियों के पास अपनी श्रेणी/उपश्रेणी के समर्थन में निर्धारित प्रारूप पर सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र होना आवश्यक है, जिसे उन्हें ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति के साथ आयोग द्वारा निर्धारित तिथि को अभिलेख सत्यापन के समय आयोग कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। आरक्षण के सम्बन्ध में जिस श्रेणी से सम्बन्धित निर्धारित प्रारूप का उल्लेख **"परिशिष्ट-3"** में नहीं है, उससे सम्बन्धित प्रमाण पत्र, जो सम्बन्धित विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप पर जारी किया गया हो, संलग्न करें। जहां शपथ पत्र प्रस्तुत करना भी आवश्यक हो वहां वांछित शपथ पत्र मजिस्ट्रेट अथवा नोटरी द्वारा विधिवत प्रमाणित कराकर प्रस्तुत करना होगा।

(च) दिव्यांगजन आरक्षण के लाभ हेतु दिव्यांगता की विभिन्न श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी में कम से कम **40 प्रतिशत की दिव्यांगता** होना अनिवार्य है। जो भी पद जिस दिव्यांगता श्रेणी/उपश्रेणी हेतु आरक्षित हैं, उसी दिव्यांगता श्रेणी/उपश्रेणी हेतु आरक्षण अनुमन्य किया जायेगा।

शासनादेश संख्या : 374(1)/XXX(2)/2019-30(5)/2014 दिनांक 20 नवम्बर, 2019 के अनुपालन में दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किए जाने के संबंध में मार्गदर्शिका सिद्धांत **परिशिष्ट-5** में संलग्न है।

(छ) पूर्व सैनिक आरक्षण का लाभ शासनादेश संख्या : 133/XXXVI(3)2009/14(1)/2009 दिनांक 16.03.2009 के अनुसार उत्तराखण्ड अधिवासी, सेना से सेवानिवृत्त/विनियोजित सैन्यकर्मियों को ही अनुमन्य होगा। शासनादेश संख्या : 124/XXX(2)/2020-53(01)/2001 दिनांक 22.05.2020 के प्रस्तर-8 के अनुसार भूतपूर्व सैनिकों को राज्याधीन सेवाओं में सेवायोजन के संदर्भ में भारत सरकार के O.M. No. 36034/27/84-Estt. (SCT) dated 02.05.1985, it was decided that once an ex-serviceman has joined the Government job on civil side after availing of the benefits given to him as an ex-serviceman for his re-employment, his ex-serviceman status for the purpose of re-employment in Government would cease" का प्राविधान राज्य सरकार द्वारा अंगीकृत किया गया है। अतएव राज्याधीन सेवाओं में सेवायोजन हेतु भारत सरकार की नीति के अनुसार राज्याधीन सेवाओं में भी क्षैतिज आरक्षण की गणना की जायेगी। **पूर्व सैनिक आरक्षण का दावा किए जाने की स्थिति में अभ्यर्थी को पूर्व सैनिक आरक्षण का लाभ लेकर पहले कभी भी सरकारी सेवा में नियोजित नहीं होने संबंधी शपथ पत्र (Affidavit) अपने अन्य**

**अभिलेखों के साथ निर्धारित अभिलेख सत्यापन के समय आयोग कार्यालय में जमा अनिवार्यतः प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा की स्थिति में अभ्यर्थन निरस्त माना जायेगा।**

उक्त के अतिरिक्त शासनादेश संख्या : 277/XXX(2)/2021-30(21)2018 दिनांक 13 सितम्बर, 2021 में यह उल्लिखित है कि शासनादेश संख्या : 124/XXX(2)/2020-53(01)2001 दिनांक 22 मई, 2020 द्वारा भूतपूर्व सैनिकों को राज्याधीन सेवाओं में सेवायोजन के संबंध में दिशा-निर्देश निर्गत किए गये हैं। भारत सरकार के O.M. No. 36034/1/2014-Estt.(Res.) दिनांक 14 अगस्त, 2014 के संदर्भ में शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि 'If an ex-servicemen applies for various vacancies before joining any civil employment, he/she can avail of the benefit of reservation as ex-servicemen for any subsequent employment. However, to avail of this benefit, an ex-servicemen as soon as he/she joins any civil employment, should give self-declaration/undertaking to the concerned employer about the date-wise details of application for various vacancies for which he/she had applied for before joining the initial civil employment. Further, this benefit would be available only in respect of vacancies which are filled on direct recruitment and wherever reservation is applicable to the ex-servicemen.'

**(ज)** शासनादेश संख्या : 310/XVII-2/16-02(OBC)/2012 दिनांक 26.02.2016 द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र की वैधता, निर्गत होने की तिथि से 03 वर्ष की अवधि तक है। अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि को अवश्य धारित व मान्य होना चाहिये।

**(झ)** उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या : 149/XXX(2)/2021-30(2)/2019 दिनांक 31 अगस्त, 2021 द्वारा जारी 'उत्तराखण्ड राज्य के स्थायी निवासी, ऐसे प्रभावित बच्चों (जिनके जैविक/दत्तक पिता-माता दोनों की मृत्यु बच्चे के जन्म से 21 वर्ष तक की अवधि में हुई हो) तथा राज्य में संचालित स्वैच्छिक/राजकीय गृहों में निवासरत अनाथ बच्चों को राजकीय/अशासकीय सेवाओं में क्षैतिज आरक्षण नियमावली, 2021 द्वारा उत्तराखण्ड लोक सेवाओं में 05 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण अनुमन्य किया गया है। इस संबंध में प्रमाण पत्र जनपद के जिला प्रोबेशन अधिकारी की संस्तुति पर उप जिलाधिकारी से अन्यून अधिकारी द्वारा निर्गत किया गया होना चाहिए।

**(ञ)** उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी अधिसूचना संख्या : 09/XXXVI(3)/2023/72(1)/2022 दिनांक 10 जनवरी, 2023 के क्रम में उत्तराखण्ड लोक सेवा (महिलाओं के लिए क्षैतिज आरक्षण) अधिनियम-2022 के प्रस्तर-3(1) व (2) के अनुसार उत्तराखण्ड अधिवासित महिलाओं को क्षैतिज आरक्षण का लाभ अनुमन्य किया जायेगा। आरक्षण के दावे की पुष्टि के लिए जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/नगर मजिस्ट्रेट /एस.डी.एम. /तहसीलदार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के निर्धारित प्रपत्र पर जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

**9. राष्ट्रीयता :** सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी –

**(क)** भारत का नागरिक हो; या

**(ख)** तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से 01 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हो, होना चाहिए, या

**(ग)** भारतीय मूल का व्यक्ति जिसने भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से पाकिस्तान, बर्मा, लंका तथा कीनिया, युगान्डा और संयुक्त तंजानिया गणराज्य (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रवर्जन किया हो;

परन्तु उक्त श्रेणी (ख) तथा (ग) से संबंधित अभ्यर्थी वह व्यक्ति होगा, जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया है;

परन्तु यह और कि श्रेणी (ख) से संबंधित अभ्यर्थी के लिए भी पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड द्वारा प्रदत्त पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा;



परन्तु यह भी कि यदि अभ्यर्थी उक्त श्रेणी (ग) से सम्बन्धित है तो पात्रता प्रमाण पत्र एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को एक वर्ष से अधिक अवधि के बाद उसके द्वारा भारत की नागरिकता प्राप्त करने पर सेवा में रखा जा सकेगा।

**टिप्पणी :-** जिस अभ्यर्थी के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, किन्तु उसे न तो जारी किया गया हो और न ही अस्वीकार किया गया हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है। किन्तु शर्त यह है कि उसके द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया जाये या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाये।

**10. चरित्र :-** सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए जिससे वह सरकारी सेवा में नौकरी के लिए सर्वथा उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस विषय में स्वयं समाधान करेगा।

टिप्पणी— संघ या राज्य सरकार अथवा संघ सरकार या राज्य के स्वामित्व/नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकरण या निगम या स्थानीय निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के अपराध से सम्बद्ध सिद्ध दोष व्यक्ति भी नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

**11. वैवाहिक प्रास्थिति :-** ऐसा पुरुष अभ्यर्थी जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हो अथवा ऐसी महिला अभ्यर्थी जिसका एक से अधिक पति जीवित हो, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे;

परन्तु यदि समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण है, तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से मुक्त किया जा सकेगा।

**12. शारीरिक स्वस्थता :-** किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा, यदि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है और किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त नहीं है, जिसके कारण उसे अपने कर्तव्यों के दक्षतापूर्वक निर्वहन में हस्तक्षेप की सम्भावना हो। किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति के लिए अनुमोदित करने से पूर्व उससे वित्तीय हस्त पुस्तिका खण्ड दो, भाग तीन के अध्याय तीन में समाविष्ट मूल नियम 10 के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

**13. आवेदन कैसे करें :-** इच्छुक अभ्यर्थियों से आयोग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट [psc.uk.gov.in](http://psc.uk.gov.in) पर उपलब्ध निर्देशानुसार अपना ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि **03 नवम्बर, 2023 (रात्रि 11:59:59 बजे तक)** है।

**14. ऑनलाइन आवेदन किये जाने हेतु प्रक्रिया :-**

1. अभ्यर्थी विज्ञापन का सम्यक रूप से अवलोकन करने हेतु आयोग की वेबसाइट [psc.uk.gov.in](http://psc.uk.gov.in) या [ukpsc.net.in](http://ukpsc.net.in) पर जायें।
2. विज्ञापन का अवलोकन करने के पश्चात [ukpsc.net.in](http://ukpsc.net.in) पर जाकर **Menubar** में **How to Apply** लिंक पर क्लिक करें। **How to Apply** पेज पर **Advertisement Details, Important Dates** एवं **Instructions for filling up online application form** का अवलोकन करने के पश्चात **Apply Now** बटन पर क्लिक करें।
- 3- **Apply Now** पर क्लिक करने के पश्चात् खुले **Registration** फॉर्म पर **वॉछित**, अपनी सही जानकारी भरकर **Login** हेतु **Password** बनाकर **Submit** पर क्लिक करें। **Submit** पर क्लिक करने के पश्चात फॉर्म पर भरी जानकारी **Basic Information** प्रदर्शित होगी। भरी हुई जानकारी का पुनः सम्यक परीक्षण कर लें। यदि भरी हुई जानकारी सही है तो **I have verified all the details entered by me in the registration form and wish to submit the same** पर **Tick** कर **Submit** पर क्लिक करें, अन्यथा

**No, I want to change some details** पर **Tick** कर **Edit** पर क्लिक करें एवं संशोधित **detail** भरने के पश्चात् पुनः **Registration** फार्म **Submit** करने की प्रक्रिया पूर्ण करें।

4. **Submit** पर क्लिक करने के पश्चात स्क्रीन पर **Primary Registration** पूर्ण होने की जानकारी प्रदर्शित होगी एवं **Registered Mobile Number** एवं **Email** पर **Message** प्राप्त होगा। तत्पश्चात् स्क्रीन पर **Click here to login** के बटन पर क्लिक करें।
5. **Login** करने के पश्चात **Educational Details** पेज प्रदर्शित होगा। तत्पश्चात् अभ्यर्थी **Diploma Details section** में अपनी शैक्षिक अर्हता के अनुसार एक या एक से अधिक **Diploma** का चयन कर सकते हैं। तत्पश्चात् अभ्यर्थी **High School** का विवरण भर कर **Add Education Details** पर क्लिक करें, भरा गया विवरण **Add Education Detail** के नीचे ग्रिड में प्रदर्शित होगा। गलत **Educational** विवरण भरने की स्थिति में ग्रिड में **Edit/Delete** के **Icon** पर क्लिक कर **Edit** अथवा **Delete** किया जा सकता है। इसी प्रकार **Intermediate, Graduate** व अन्य शैक्षिक अर्हताएं भरें। फॉर्म पर अन्य विवरण भर कर **Continue** पर क्लिक करें। उसके पश्चात **Photo & Signature to Upload** टैब पर **Photo, Signature** को प्रदर्शित सूचना के आधार पर अपलोड करें। **Photo, Signature** को **reupload** करने के लिए **I want to upload photo and signature Checkbox** पर क्लिक कर पुन **Photo, Signature** अपलोड किये जा सकते हैं।
6. **Photo, Signature** अपलोड होने के पश्चात **“I hereby declare that the photograph & signature are correct and accurate representation of myself” declaration** पर **Tick** कर **Continue** पर क्लिक करें। तत्पश्चात् फॉर्म में भरा गया डाटा स्क्रीन पर दिखाई देगा। फार्म में भरे गये विवरण को सावधानी पूर्वक चेक कर लें। गलत भरे गये विवरण को **Back & Edit** के बटन पर क्लिक कर फार्म पर पुनः वापस जाकर सही किया जा सकता है। वांछित विवरण सही होने की स्थिति में घोषणा पर **Tick** करने के पश्चात् **Proceed Button** पर क्लिक करें। तत्पश्चात् परीक्षा शुल्क जमा करने हेतु **Pay Now Button** पर क्लिक कर, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करें। **Print Application** बटन पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंट प्राप्त कर लें।
7. **Final Submission** के उपरान्त आवेदन-पत्र में त्रुटि होने पर अभ्यर्थी अपना आवेदन रद्द (**Cancel**) कर पुनः आवेदन कर सकते हैं। रद्द किये गये आवेदन पत्र के सापेक्ष जमा किया गया शुल्क वापस नहीं होगा। आवेदन रद्द (**Application Cancel**) करने के लिए **Cancel My Application** बटन पर क्लिक करें। तत्पश्चात एक नई विण्डो ओपन होगी, जिसमें दी गयी घोषणा का सम्यक् अध्ययन करने के पश्चात् घोषणा को **Tick** कर **Submit** बटन पर क्लिक करें अथवा वापस जाने हेतु **Close** बटन पर क्लिक करें। **Submit** पर क्लिक करने के पश्चात् अभ्यर्थी को पंजीकृत मोबाईल एवं ई-मेल पर ओ0टी0पी0 (**OTP**) प्राप्त होगा, जिसको कि **Enter OTP** वाली फील्ड्स पर दर्ज कर **Cancel Application** बटन पर क्लिक करें। आवेदन रद्द (**Application Cancel**) करने के पश्चात् उस रद्द आवेदन (**Cancel Application**) के सापेक्ष किसी भी दशा में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

**नोट:** (1) उत्तराखण्ड राज्य में संचालित स्वैच्छिक/राजकीय गृहों में निवासरत अनाथ अभ्यर्थी हेतु कोई शुल्क देय नहीं है। किन्तु उक्त अभ्यर्थी को आवेदन पत्र पर डाटा भरने के बाद **Final Submit** बटन पर क्लिक कर आवेदन की प्रक्रिया को पूर्ण करना होगा। तत्पश्चात् आवेदन-पत्र में भरे गये डाटा में अभ्यर्थी द्वारा किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकता है।

(2) **Final Submission** से पूर्व अभ्यर्थी द्वारा आवेदन-पत्र में त्रुटि होने की दशा में **Back & Edit** के बटन पर क्लिक कर फार्म में वापस (**Back**) जाकर त्रुटि में संशोधन किया जा सकता है।

ऑनलाईन आवेदन करते समय आने वाली तकनीकी समस्या (Technical Issue) के समाधान हेतु अभ्यर्थी [ukpschelpine@gmail.com](mailto:ukpschelpine@gmail.com) पर ई-मेल कर सकते हैं। **Final Submission** के पश्चात् आवेदन-पत्र में भरे गये डाटा में अभ्यर्थी द्वारा किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकता है।

(3) अभ्यर्थी द्वारा रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण किये जाने के पश्चात् **मोबाइल नम्बर Edit** नहीं किया जा सकता है।

### 15. ऑनलाइन आवेदन में संशोधन/परिवर्तन प्रक्रिया:-

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात् प्रविष्टियों में संशोधन/परिवर्तन किये जाने हेतु दिशा-निर्देश :-

- (i) ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि समाप्त होने के पश्चात् 05 कार्यदिवस के उपरांत (Edit/Correction) का लिंक खोला जाएगा।
- (ii) (Edit/Correction) हेतु उक्त लिंक की समयावधि 10 दिन होगी।
- (iii) जिन अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन प्रक्रिया पूर्ण की है, केवल वह अभ्यर्थी ही अपने ई-मेल आईडी एवं पासवर्ड से लॉग-इन कर पायेंगे।
- (iv) लॉग-इन करने के पश्चात् अभ्यर्थी शर्तानुसार अपने भरे हुए डाटा में **(मोबाइल नम्बर एवं ई-मेल आईडी को छोड़कर)** आवश्यकतानुसार संशोधन कर पायेंगे।
- (v) अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में Edit/Correction की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी, उसके पश्चात् ही आवेदन पत्र में डाटा Update हो सकेगा।
- (vi) Edit/Correction की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् Edited Data ही अंतिम माना जायेगा।
- (vii) अभ्यर्थी द्वारा श्रेणी/उपश्रेणी में परिवर्तन किये जाने पर अभ्यर्थियों को परिवर्तित श्रेणी/उपश्रेणी का शुल्क विज्ञापन की शर्तों के अनुसार देय होगा, किन्तु अगर अभ्यर्थी केवल ऐसी उपश्रेणी (डी0एफ0एफ0/उ0म0 इत्यादि) में बदलाव करता है जिससे शुल्क में कोई प्रभाव नहीं पड़ता तो उस उपश्रेणी में बदलाव का कोई शुल्क देय नहीं होगा। अभ्यर्थी को अन्य प्रविष्टियों में परिवर्तन/त्रुटि सुधार करने पर कोई शुल्क देय नहीं होगा।

**16. शुल्क :-** प्रश्नगत परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों को Net Banking/Debit Card/ Credit Card/UPI के माध्यम से निम्नानुसार शुल्क जमा करना अनिवार्य है:-

क्र0सं0 (Sr. No.)	श्रेणी (Category)	आवेदन-शुल्क (Application Fees ₹)	प्रोसेसिंग शुल्क टैक्स सहित (Processing Fees with Tax ₹)	कुल शुल्क (Total Fees ₹)
01	अनारक्षित	150	22.30	172.30
02	उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग	150	22.30	172.30
03	उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति	60	22.30	82.30
04	उत्तराखण्ड आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	150	22.30	172.30
05	शारीरिक दिव्यांग	कोई शुल्क नहीं	22.30	22.30
06	उत्तराखण्ड राज्य में संचालित स्वैच्छिक/राजकीय गृहों में निवासरत अनाथ बच्चे	कोई शुल्क नहीं	कोई शुल्क नहीं	कोई शुल्क नहीं

नोट :- 1. उत्तराखण्ड राज्य के पूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित एवं उत्तराखण्ड महिला अभ्यर्थी जिस वर्ग या श्रेणी, यथा-अनारक्षित या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी का हो, उसे उसी वर्ग/श्रेणी हेतु निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

## 17. अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. आयोग द्वारा सम्पन्न की जाने वाली सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया अद्यतन प्रचलित अधिनियमों/नियमावलियों/मैनुअल्स/मार्ग-दर्शक सिद्धान्तों एवं समय-समय पर आयोग द्वारा लिये गये निर्णयों इत्यादि में वर्णित प्राविधानों के अन्तर्गत सम्पन्न की जायेगी।
2. अभ्यर्थियों हेतु **Uttarakhand Public Service Commission (Procedure and Conduct of Business) Rules-2013** (यथा संशोधित-2016) और **उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया विनियमावली-2022 (यथा संशोधित)** आयोग की वेबसाइट [psc.uk.gov.in](http://psc.uk.gov.in) पर उपलब्ध है।
3. अभ्यर्थियों को परीक्षा हेतु प्रवेश-पत्र डाक द्वारा प्रेषित नहीं किये जायेंगे अपितु आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकेंगे। इस सम्बन्ध में अभ्यर्थियों की सूचना हेतु विज्ञप्ति दैनिक समाचार पत्रों एवं आयोग की वेबसाइट [psc.uk.gov.in](http://psc.uk.gov.in) पर प्रसारित की जायेगी।
4. यदि किसी अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन करने से लेकर प्रवेश पत्र डाउनलोड होने तक कोई तकनीकी समस्या आती है तो वह इन समस्याओं के निवारण हेतु आयोग की ई-मेल [ukpschelpline@gmail.com](mailto:ukpschelpline@gmail.com) पर संपर्क कर सकते हैं।
5. लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार का प्रश्नपत्र होगा तथा प्रश्नों के मूल्यांकन में ऋणात्मक पद्धति (Negative Marking) अपनाई जायेगी।
6. **गलत उत्तरों के लिए दण्ड**—वस्तुनिष्ठ प्रश्न पत्रों में अभ्यर्थियों द्वारा दिये गये गलत उत्तरों के लिए दण्ड (ऋणात्मक मूल्यांकन) दिया जायेगा—  
(क) प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए चार विकल्प रहेंगे। अभ्यर्थी द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिये गए एक गलत उत्तर के लिए प्रश्न हेतु नियत किये गये अंको का एक चौथाई दण्ड के रूप में काटा जायेगा।  
(ख) यदि अभ्यर्थी किसी प्रश्न का एक से अधिक उत्तर देता है, भले ही उसमें से कोई उत्तर सही क्यों न हो, तो इसे गलत उत्तर माना जायेगा, तथा इस हेतु दण्ड स्वरूप संबंधित प्रश्न का एक चौथाई अंक काटा जायेगा।  
(ग) यदि अभ्यर्थी द्वारा कोई प्रश्न हल नहीं किया जाता है, अर्थात् अभ्यर्थी द्वारा उत्तर नहीं दिया जाता है, तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं होगा।
7. **उत्तर कुंजी आपत्ति**—वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पत्रों से सम्बन्धित उत्तर कुंजी का विवरण परीक्षा समाप्ति के उपरान्त आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया जाएगा और अभ्यर्थी उत्तर कुंजी के प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर किसी प्रश्न व सम्बन्धित उत्तर के सम्बन्ध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के उपरान्त प्राप्त प्रत्यावेदनों पर आयोग द्वारा कोई विचार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थी से प्रतिप्रश्न आपत्ति के सापेक्ष ₹50.00 (₹ पचास मात्र) शुल्क के रूप में लिये जायेंगे। यदि अभ्यर्थी द्वारा प्रतिप्रश्न आपत्ति के सापेक्ष निर्धारित शुल्क जमा नहीं किया जाता है तो आयोग द्वारा उक्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा। भुगतान के पश्चात शुल्क किसी भी दशा में अभ्यर्थियों को वापिस नहीं किया जायेगा। आपत्तियों के संबंध में प्राप्त प्रत्यावेदनों का निस्तारण सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों से कराने के उपरान्त विषय विशेषज्ञों की संस्तुतियों के आधार पर उत्तर पत्रकों का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी।
8. **अँगूठे का निशान (Thumb Impression)**:- सभी अभ्यर्थी परीक्षा कक्ष में अपनी परीक्षा की उत्तर-पुस्तिका के निर्धारित स्थान पर अपने अँगूठे का निशान (पुरुष अभ्यर्थी की दशा में बाँये अँगूठे का निशान तथा महिला अभ्यर्थी की दशा में दाँये अँगूठे का निशान) अवश्य अंकित करेंगे।
9. ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ समस्त वांछित अभिलेखों/प्रमाण-पत्रों का सत्यापन आयोग कार्यालय में निर्धारित तिथि को अंतिम चयन परिणाम से पूर्व किया जायेगा। अभ्यर्थियों के अभिलेखों की सन्निरीक्षा (Scrutiny) 'ऑनलाइन आवेदन पत्र एवं अभिलेखों की सन्निरीक्षा हेतु मार्गदर्शिका-2022' के आलोक में सम्पन्न की जायेगी। अभ्यर्थी ध्यान रखें कि अभिलेख सत्यापन के समय यदि अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन

आवेदन पत्र में अर्हता के सम्बन्ध में किये गये दावों के सापेक्ष प्रस्तुत प्रमाण पत्रों/अभिलेखों में कोई कमी या असत्यता पायी जाती है तो अभ्यर्थी के अभ्यर्थन को निरस्त कर दिया जायेगा।

10. प्रश्नगत विज्ञापन के सापेक्ष उपयुक्त अभ्यर्थियों के चयन हेतु आयोग द्वारा लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा का आयोजन किया जायेगा।
11. परीक्षा में अभ्यर्थियों को प्रश्नों के उत्तर स्वयं देने होंगे। दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को शासनादेश संख्या : 374(1)/XXX(2)/2019-30(5)/2014 दिनांक 20 नवम्बर, 2019 के अनुसार श्रुत लेखक की व्यवस्था अनुमन्य होगी।
12. लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा में कैलकुलेटर या किसी भी प्रकार के गणना संबंधी उपकरण का प्रयोग वर्जित है।
13. लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा में सफल घोषित अभ्यर्थियों को, जिन्हें अभिलेख सत्यापन हेतु आयोग कार्यालय में बुलाया जायेगा, उन्हें तत्समय शैक्षिक अर्हता, दावित आरक्षण, दावित अधिमानी अर्हता, विभागीय अनापत्ति प्रमाण पत्र इत्यादि से संबंधित मूल अभिलेख प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा।
14. केन्द्र अथवा राज्य सरकार/लोक प्रतिष्ठान के अधीन कार्यरत अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के पूर्व विभागीय अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु अपने सेवा नियोजक को सूचित करना अनिवार्य है तथा चयन प्रक्रिया में आयोग द्वारा यथासमय मांगे जाने पर अभ्यर्थी को सेवा नियोजक द्वारा निर्गत "अनापत्ति प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत करना होगा।
15. **न्यूनतम अर्हक अंक:-** अनारक्षित वर्ग, उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा में उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया विनियमावली, 2022 (यथासंशोधित) द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को सम्बन्धित श्रेणी/उपश्रेणी के अनुसार न्यूनतम अर्हकारी अंक प्राप्त करने पर ही प्रवीणता सूची हेतु विचारित किया जायेगा।
16. लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा में अभिलेख सत्यापन हेतु बुलाये गये अभ्यर्थियों से पदों की विभागवार ऑनलाइन वरीयता अभिलेख सत्यापन से पूर्व प्राप्त की जायेगी। **अभिलेख सत्यापन से पूर्व निर्धारित समयान्तर्गत पदों की विभागवार ऑनलाइन वरीयता न भरने वाले अभ्यर्थियों को वरीयता प्रपत्र में अंकित पदों के क्रम एवं प्रवीणता सूची के अनुसार पदों का आवंटन किया जायेगा।** पदों की विभागवार ऑनलाइन वरीयता भरने एवं अभिलेख सत्यापन के संबंध में अभ्यर्थियों के सूचनार्थ विज्ञप्ति दैनिक समाचार पत्रों एवं आयोग की वेबसाइट के माध्यम से प्रकाशित की जायेगी।
17. प्रश्नगत परीक्षा में विभागवार/पदवार पदों का आवंटन प्रवीणता सूची, शैक्षिक अर्हता, आयु, सेवा नियमावली, श्रेणी-उपश्रेणीवार तथा अभ्यर्थी द्वारा दी गयी पदों की विभागवार ऑनलाइन वरीयता के आधार पर किया जायेगा। अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन प्रपत्र में दी गयी वरीयता में से वरीयतानुसार एक ही पद के सापेक्ष चयन किया जायेगा, अर्थात् किसी अभ्यर्थी के एक पद पर चयन होने के पश्चात् अन्य पदों हेतु उस अभ्यर्थी का चयन नहीं किया जायेगा।
18. आयोग द्वारा प्रश्नगत पदों का चयन परिणाम, विज्ञापित पदों हेतु विहित संगत सेवा नियमावली के प्राविधानों एवं **उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली, 2022** (यथा संशोधित) में निहित प्राविधानों के अनुसार तथा अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में पदों के सापेक्ष दी गयी वरीयता के आधार पर तैयार किया जायेगा।
19. अंतिम परीक्षा परिणाम आयोग की वेबसाइट [psc.uk.gov.in](http://psc.uk.gov.in) पर प्रदर्शित किया जायेगा, जिसकी सूचना विभिन्न दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित करायी जायेगी।

20. अभ्यर्थियों को सचेत किया जाता है कि वे पूर्णतया यह संतुष्ट हो जाने के पश्चात कि वे विज्ञापन/परीक्षा की सभी शर्तों को पूरा करते हैं, आवेदन करें और परीक्षा में बैठें।
21. आयोग अभ्यर्थियों को उनकी पात्रता के सम्बन्ध में कोई परामर्श नहीं देता है। इसलिये अभ्यर्थी विज्ञापन का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें और तभी आवेदन करें जब वे संतुष्ट हो कि वे विज्ञापन की शर्तों के अनुसार अर्ह हैं। उन्हें विज्ञापन के अन्त में प्रकाशित पाठ्यक्रम का अध्ययन सावधानी से कर लेना चाहिए।
22. परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वे परीक्षा में प्रवेश हेतु पात्रता की सभी शर्तों को पूरा करते हैं। परीक्षा के सभी स्तरों पर उनका प्रवेश पूर्णतः अनन्तिम होगा। अभ्यर्थी को मात्र प्रवेश पत्र जारी किए जाने का यह अर्थ नहीं होगा कि उसका अभ्यर्थन आयोग द्वारा अन्तिम रूप से सुनिश्चित कर दिया गया है। यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी अर्ह नहीं था अथवा उसका आवेदन पत्र अस्वीकृत किया जाना चाहिए था अथवा वह प्रारम्भिक स्तर पर ही स्वीकार किए जाने योग्य नहीं था, उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा और यदि वह अन्तिम रूप से चुन लिया जाता है तो भी आयोग की संस्तुति वापस ले ली जाएगी।
23. अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन पत्र के सभी स्तम्भ स्पष्टतः पूर्ण रूप से भरे होने चाहिए तथा किसी भी स्तम्भ को अपूर्ण या रिक्त न छोड़े। मूल ऑनलाइन आवेदन पत्र में दर्शाये गए विवरण में किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन किसी भी दशा में अनुमन्य नहीं होगा।
24. उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के निर्णय के अनुसार किसी भी अभ्यर्थी को अपने आवेदन पत्र में गलत तथ्यों को जिनकी प्रमाण-पत्र के आधार पर पुष्टि नहीं की जा सकती, देने पर आयोग की समस्त परीक्षाओं के लिए प्रतिवारित (Debar) किया जा सकता है और उसके विरुद्ध आपराधिक दण्डात्मक कार्यवाही भी की जा सकती है।
25. अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अपने आवेदन पत्र, उपस्थिति सूची आदि में तथा आयोग के साथ समस्त पत्राचार में सभी स्थानों पर उनके द्वारा किए गए हस्ताक्षर एक जैसे होने चाहिए और उनमें किसी भी प्रकार की भिन्नता नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर किए गए हस्ताक्षरों में यदि कोई भिन्नता पायी जाती है तो आयोग उसके अभ्यर्थन को रद्द कर सकता है।
26. **हाईस्कूल प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगी।** जन्मतिथि हेतु उक्त प्रमाण पत्र के अतिरिक्त अन्य कोई अभिलेख मान्य नहीं होगा।
27. जो अभ्यर्थी विज्ञापन की शर्तों के अनुसार पात्र नहीं पाये जाएंगे उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा तथा परीक्षा में प्रवेश हेतु उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा। **अभ्यर्थियों के अभ्यर्थन/अर्हता/पात्रता के सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।**
28. परीक्षा केन्द्र परिसर में परीक्षा के दौरान अभ्यर्थी द्वारा मोबाइल फोन, फोटो कैमरा, पेजर, स्कैनर पैन, ब्लूटूथ डिवाइस अथवा किसी अन्य प्रकार के संचार क्षमता वाले यंत्र के प्रयोग की अनुमति नहीं है। यदि अभ्यर्थी इन अनुदेशों का उल्लंघन करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर लोक सेवा आयोग द्वारा भविष्य में आयोजित की जाने वाली इस अथवा आगामी सभी परीक्षाओं में बैठने पर रोक सहित अन्य कार्यवाही की जा सकती है। अभ्यर्थियों को उनके हित में सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा स्थल पर मोबाइल फोन, फोटो कैमरा, पेजर, स्कैनर पैन, ब्लूटूथ डिवाइस अथवा किसी अन्य प्रकार के संचार क्षमता वाले उपकरण सहित किसी प्रकार की प्रतिबन्धित सामग्री न लायें।

29. **परीक्षा भवन में आचरण :-** परीक्षा केन्द्र/कक्ष में अभ्यर्थी न तो किसी के साथ दुर्व्यवहार करेंगे और न ही अव्यवस्था फैलायेंगे तथा परीक्षा के संचालन हेतु आयोग द्वारा तैनात स्टॉफ को परेशान भी नहीं करेंगे। ऐसे किसी भी दुराचरण के लिए कठोर दण्ड दिया जाएगा। अभ्यर्थी परीक्षा की समाप्ति के उपरान्त ओ.एम.आर. उत्तर पुस्तिका कक्ष निरीक्षक को सौंपकर ही परीक्षा कक्ष के बाहर जायें।
30. **अनुचित साधन सख्ती से प्रतिबन्धित:-** कोई भी अभ्यर्थी किसी भी अन्य अभ्यर्थी के पेपरों से न तो नकल करेगा, न ही अपने पेपरों से नकल करवायेगा, न ही किसी अन्य तरह की अनुचित सहायता देगा, न ही सहायता देने का प्रयास करेगा, न ही सहायता प्राप्त करेगा और न ही प्राप्त करने का प्रयास करेगा। ऐसे किसी भी दुराचरण के लिए अभ्यर्थी के खिलाफ उत्तराखण्ड प्रतियोगी परीक्षाओं (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) अधिनियम-2023 के प्राविधानानुसार कार्यवाही की जाएगी।
31. कदाचार के दोषी पाये गए अभ्यर्थियों के विरुद्ध **Uttarakhand Public Service Commission (Procedure and Conduct of Business) Rules – 2013 (यथा संशोधित)** के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।
32. **कदाचार के दोषी पाये गए अभ्यर्थियों के विरुद्ध कार्यवाही :-** अभ्यर्थियों को यह चेतावनी दी जाती है कि आवेदन पत्र भरते समय न तो कोई झूठे विवरण प्रस्तुत करें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति की किसी प्रविष्टि में कोई संशोधन या परिवर्तन या अन्यथा फेरबदल नहीं करें तथा न ही वे फेरबदल किया गया/जाली प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि एक ही प्रकार के दो या दो से अधिक दस्तावेजों के बीच अथवा उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई असंगति या विसंगति पायी जाती है तो इस विसंगति के संबंध में अभ्यर्थी को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा।
33. अभ्यर्थी को निम्नलिखित कारणों से आयोग द्वारा दोषी घोषित किया जायेगा :-
1. अग्रलिखित तरीकों से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया गया है, अर्थात् (क) गैर कानूनी रूप से परितोषण की पेशकश करना, (ख) अनुचित दबाव डालना, या (ग) परीक्षा आयोजित करने से संबंधित किसी भी व्यक्ति को ब्लैकमेल करना अथवा उसे ब्लैकमेल करने की धमकी देना, अथवा
  2. नाम बदलकर परीक्षा दी है, अथवा अनुचित लाभ प्राप्त करने के आशय से ओ0एम0आर0 उत्तर पत्रक/उत्तर पुस्तिका में अनुक्रमांक गलत भरा हो अथवा
  3. प्रतिरूपण द्वारा छल करते हुए अन्य व्यक्ति से परीक्षा दिलायी हो कूटरचित प्रवेश पत्र के साथ परीक्षा भवन में प्रवेश किया हो, अथवा
  4. जाली प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा/फेरबदल किया गया हो, अथवा
  5. गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
  6. परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में निम्नलिखित साधनों का उपयोग किया है, (क) गलत तरीके से प्रश्न पत्र की प्रति प्राप्त करना (ख) परीक्षा से संबंधित गोपनीय कार्य से जुड़े व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी प्राप्त करना, (ग) परीक्षकों को प्रभावित करना, या
  7. परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
  8. उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना, जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हो या अश्लील या भद्दे रेखाचित्र बनाना, अथवा
  9. परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करना, जिनमें उत्तर पुस्तिकाओं का फाड़ना, उत्तर पुस्तिकाओं को परीक्षा कक्ष से लेकर भाग जाना, परीक्षा देने वालों को परीक्षा का बहिष्कार करने के लिए उकसाना अथवा अव्यवस्था तथा ऐसे ही अन्य स्थिति पैदा करना शामिल है, अथवा

10. परीक्षा संचालन के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचायी हो, या
11. परीक्षा हॉल में परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन/पेजर या आयोग द्वारा वर्जित अन्य किसी प्रकार का इलैक्ट्रॉनिक उपकरण या यंत्र अथवा संचार यंत्र के रूप में प्रयोग किये जा सकने वाला कोई अन्य उपकरण प्रयोग करते हुए या अपने पास रखे पाया गया हो, या
12. परीक्षा की अनुमति देते हुए अभ्यर्थियों को भेजे गये प्रमाण पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा
13. उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयत्न किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो, उन पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे (क) आयोग द्वारा किसी अभ्यर्थी को उस परीक्षा के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है जिसमें वह बैठ रहा है, और/अथवा (ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए विवर्जित किया जा सकता है (ii) राज्य सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है। (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जायेगी जब तक अभ्यर्थी को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वो देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया हो और अभ्यर्थी द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, आयोग द्वारा विचार कर लिया गया हो।
34. नियुक्ति हेतु चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति से पूर्व नियमानुसार अपेक्षित स्वास्थ्य परीक्षण कराना होगा। यह कार्यवाही नियुक्ति से पूर्व सम्बन्धित नियुक्ति अधिकारी/प्राधिकारी द्वारा पृथक से की जाएगी।
35. परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम, समय तथा केन्द्रों के सम्बन्ध में अनुक्रमांक सहित सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराये जाने वाले प्रवेश-पत्रों के माध्यम से प्रदान की जायेगी। अभ्यर्थियों को आवंटित केन्द्र पर ही परीक्षा देनी होगी। परीक्षा केन्द्र में परिवर्तन के संबंध में कोई भी अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।
36. आयोग से किये जाने वाले सभी प्रकार के पत्राचार में अभ्यर्थी अपने नाम के साथ आवेदित पद का नाम, विज्ञापन संख्या, जन्मतिथि, पिता/पति का नाम, रजिस्ट्रेशन संख्या तथा अनुक्रमांक (यदि सूचित हो गया हो) का उल्लेख अवश्य करें।
37. अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन में किये गये दावों की पुष्टि हेतु सभी पुष्ट प्रमाण पत्र कार्यालय द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करने आवश्यक होंगे अन्यथा उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा। उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्गत आरक्षण सम्बन्धी सभी शासनादेशों एवं आरक्षण सम्बन्धी प्रारूपों के आधार पर ही आरक्षण का दावा एवं अनुमन्यता देय होगी।
38. सम्बन्धित पदों हेतु चयन परिणाम, संगत सेवा नियमावली में विहित प्राविधानों के अन्तर्गत ही तैयार किया जायेगा तथा चयनित अभ्यर्थियों के ऑनलाईन आवेदन में किये गये दावों की पुष्टि हेतु मूल शैक्षणिक एवं अन्य अभिलेखों से मिलान कर सत्यापन के पश्चात् ही चयन संस्तुति शासन को प्रेषित की जायेगी।
39. अभ्यर्थी लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा के दौरान, अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लिखित आई0डी0 अपने साथ अवश्य रखें एवं मांगे जाने पर उन्हें उक्त आई0डी0 की स्वप्रमाणित छायाप्रति प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
40. आवेदित पद पर अन्तिम रूप से चयनित हो जाने के बाद भी अभ्यर्थी को नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता है जब तक कि शासन को ऐसी जाँच करने के पश्चात् जैसा आवश्यक समझा जाय, यह समाधान न हो जाये कि वह नियुक्ति के लिए सभी प्रकार से पात्र है।



41. अभ्यर्थियों को परीक्षा से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं आयोग की वेबसाईट के माध्यम से अवगत करायी जाएगी। अतः अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट **psc.uk.gov.in** का समय-समय पर अनुश्रवण (Monitoring) करना सुनिश्चित करें।

**-SD-**  
(गिरधारी सिंह रावत)  
सचिव।

## परिशिष्ट-1

'उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियन्ता सेवा परीक्षा-2023' हेतु लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा का आयोजन राज्य के 14 नगरों में कराया जानी प्रस्तावित है। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन-पत्र के सम्बन्धित कॉलम में परीक्षा केन्द्र के लिए नगर के सम्बन्ध में अपना विकल्प प्रस्तुत करें। नगरों की सूची इस प्रकार है-

क्र.सं.	नगर	नगर कोड
1	अल्मोडा	01
2	बागेश्वर	02
3	चम्पावत	03
4	हल्द्वानी	04
5	खटीमा	05
6	रुद्रपुर	06
7	पिथौरागढ़	07
8	देहरादून	08
9	गोपेश्वर	09
10	हरिद्वार	10
11	नई टिहरी	11
12	रुद्रप्रयाग	12
13	श्रीनगर	13
14	उत्तरकाशी	14

**नोट 1:-** आयोग अभ्यर्थियों को उनके द्वारा प्रस्तुत विकल्प के अनुसार आवेदित नगरों में परीक्षा केन्द्र आवंटित करने का प्रयास करेगा, किन्तु अपरिहार्य परिस्थितियों में अभ्यर्थियों को उनके विकल्प से इतर अन्य नगर भी आवंटित किये जा सकते हैं। केन्द्र निर्धारण के उपरान्त परीक्षा केन्द्र परिवर्तन के संबंध में किसी भी प्रकार के अनुरोध/प्रत्यावेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

2. अभियंत्रण की किसी शाखा (यथा सिविल, कृषि, यांत्रिक, विद्युत) के सापेक्ष न्यून संख्या में अभ्यर्थियों के आवेदन प्राप्त होने की दशा में उस शाखा के समस्त अभ्यर्थियों को उपरोक्त नगरों में से किन्हीं एक अथवा दो नगरों में परीक्षा केन्द्र आवंटित किये जा सकते हैं, चाहे उन अभ्यर्थियों द्वारा किसी अन्य नगर को परीक्षा केन्द्र के रूप में चयनित किया हो।

3. लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का अभिलेख सत्यापन उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग हरिद्वार में किया जायेगा।

## परिशिष्ट- 2

‘उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियन्ता सेवा परीक्षा-2023’ का पाठ्यक्रम/परीक्षा योजना  
लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

(अ) सामान्य योग्यता परीक्षण (पाठ्यक्रम परिशिष्ट – 2(अ))

क्र०सं०	विषय	कुल प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	समय अवधि
1	सामान्य हिन्दी	100	100 (प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का)	02 घण्टा
2	सामान्य अंग्रेजी	100	100 (प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का)	02 घण्टा

(ब) अभियंत्रण विषय (पाठ्यक्रम परिशिष्ट – 2(ब))

क्र०सं०	विषय	कुल प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	समय अवधि
1	सिविल इंजी० (प्रथम प्रश्न-पत्र/द्वितीय प्रश्न-पत्र)	180 / 180	360 / 360 (प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का)	3 घण्टा
2	मैकेनिकल इंजी० (प्रथम प्रश्न-पत्र/द्वितीय प्रश्न-पत्र)	180 / 180	360 / 360 (प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का)	3 घण्टा
3	इलेक्ट्रीकल इंजी० (प्रथम प्रश्न-पत्र/द्वितीय प्रश्न-पत्र)	180 / 180	360 / 360 (प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का)	3 घण्टा
4	एग्रीकल्चर इंजी० (प्रथम प्रश्न-पत्र/द्वितीय प्रश्न-पत्र)	180 / 180	360 / 360 (प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का)	3 घण्टा

लिखित परीक्षा	920 अंक
कुल योग – 920 अंक	

पाठ्यक्रम :-

1. सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी का पाठ्यक्रम परिशिष्ट – 2(अ) में दिया गया है।

2. वैकल्पिक विषय का पाठ्यक्रम परिशिष्ट – 2(ब) में दिया गया है।

नोट :- सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी का पाठ्यक्रम सभी अभ्यर्थियों के लिए समान है। सिविल, यांत्रिक, विद्युत एवं कृषि अभियंत्रण में से अभ्यर्थियों को किसी एक शाखा का चयन करना है। सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी एवं सिविल, यांत्रिक, विद्युत एवं कृषि अभियंत्रण का विस्तृत पाठ्यक्रम निम्नवत् है :-

परिशिष्ट – 2(अ)  
'उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियन्ता सेवा परीक्षा-2023'

सामान्य हिन्दी

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

समय : 02 घण्टे

कुल प्रश्नों की संख्या : 100

पूर्णांक : 100

- |   |        |
|---|--------|
| 1. वर्ण संरचना (स्वर और व्यंजन)               | 10 अंक |
| 2. वर्तनी शोधन/विश्लेषण                       | 10 अंक |
| 3. शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास  | 20 अंक |
| 4. शब्द भेद – रचना, अर्थ, इतिहास, व्याकरण     | 20 अंक |
| 5. रिक्त स्थानों में उपयुक्त शब्दों का प्रयोग | 05 अंक |
| 6. वाक्य रचना                                 | 06 अंक |
| 7. वाक्य शोधन                                 | 05 अंक |
| 8. शब्द शुद्धिकरण                             | 05 अंक |
| 9. लोकोक्ति एवं मुहावरें                      | 10 अंक |
| 10. अपठित गद्यांश –                           |        |
| (क) आठ रेखांकित शब्दों/वाक्यों के अर्थ        | 08 अंक |
| (ख) उपयुक्त शीर्षक का चयन                     | 01 अंक |

नोट – प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। प्रश्न-पत्र का स्वरूप हाईस्कूल स्तर का होगा।

**SYLLABUS FOR UTTARAKHAND COMBINED STATE JUNIOR ENGINEER SERVICE**

**EXAM-2023**

**WRITTEN EXAMINATION**

**Subject : General English  
(Objective Type)**

**Time : 02 Hours**

**M.M. - 100**

**No.of questions – 100**

**UNITS**

**M.M.**

**1. Comprehension**

**20**

A passage of appropriate length which is designed to test the ability of the candidate in the following areas:

**(a) Familiarity with vocabulary**

**(b) Knowledge of English grammar**

**(c) Thematic understanding of the passage**

**2. Use of Articles**

**05**

**3. Use of correct Prepositions**

**05**

**4. One- word substitution**

**05**

**5. Synonyms**

**05**

**6. Antonyms**

**05**

**7. Filling up of blanks with appropriate words**

**05**

**8. Verbs – Main, Auxiliary and Modals**

**05**

**9. Active/Passive voice**

**05**

**10. Direct/Indirect Narration**

**05**

**11. Correct spelling of words**

**05**

**12. Tenses**

**05**

**13. Re-ordering of given sentences into a meaningful paragraph.**

**05**

**14. Subject - Verb agreement**

**05**

**15. Idioms and Phrases**

**05**

**16. Conjunctions**

**05**

**17. Homonyms**

**05**

**Note :** Each Multiple choice question shall be of 01 Mark.

**परिशिष्ट – 2(ब)**

**CIVIL ENGINEERING (DIPLOMA COURSE)**

**GENERAL CIVIL ENGINEERING**

**PAPER-I**

**SECTION - A**

**(a) Strength of materials and theory of structures.:** 1. Effect of a force, tension and compression, free body diagram, virtual work, force distribution system. 2. Principle of energy, conservation of energy and momentum, rotation of rigid bodies about fixed axis, mass moment of inertia. 3. Stresses and strains: Types of stresses and strains, Definition of tension, compression, shear, bending, torsion, volumetric and lateral strain, Poisson's ratio, Hookes's law. 4. Bending moment and shear force: Types of beam, simply supported, cantilever, fixed, overhanging and continuous beams. 5. Analysis of trusses, slope and deflection of beams.

6. Columns and struts: Long columns, short columns & struts, slenderness ratio. 7. Torsion: Circular shaft, combined bending, torsion and axial thrust, strength of hollow and solid shaft.

**(b) Design of reinforced concrete structures.:** 1. Design based on working stress method Flexural strength shear strength and bond strength of a singly reinforced RCC beam. 2. Design of lintels, Design of a Cantilever beam and slab. Design of doubly reinforced concrete beam. 3. Design of RCC slab, design of one way and two way slabs. 4. Design of Reinforced brick beams, slab & lintels, design of T-beams. 5. Design of columns and column footings, cantiliver retaining walls. 6. Components of (i) overhead water tank and (ii) Multistoreyed framed structures. 7. Introduction to design based on limit state method. 8. Prestressed concrete.

**(c) Steel and Machinery structures.:** 1. Tension and Compression members in steel. 2. Design of steel of steel beams. 3. Design of simple column bases. 4. Design of simple trusses and purlins. 5. Design of masonry retaining walls. 6. Design of masonry wall foundation.

**(d) Building estimates & coating, construction management, account & entrepreneurship development.**

### **SECTION-B**

**(a) Soil mechanics and foundation engineering.:** 1. Fundamental terms and their relationships. 2. Classification and identification of soils. 3. Phase relationship index property, laboratory determination. 4. Capillary phenomenon permeability, factors affecting permeability. 5. compaction, methods of compaction. 6. Consolidation, difference between compactions and consolidation. 7. Stresses in soil, shear strength, colomb's equation, unconfined compression test. 8. Earth pressure and retaining structures. 9. shallow and deep foundations, classifications of piles. 10. Stabilisation of soils by lime and cement. 11. Sub-surface exploration.

**(b) Surveying.:** 1. General principles. 2. Chain surveying. 3. Compass Traversing, bearings, local attractions, types of travessing, traverse computations, corrections and missing readings. 4. Leveling-Theory, Temporary & permanent adjustment of levels, types of levelling. Reciprocal levelling, L-section and cross section, Refraction and curvature corrections. 5. contouring - characteristics, uses and plotting of contours. 6. Plane table surveying- orientation, plotting methods, two & three point problems, Lehmann's ruler errors and precautions. 7. Theodolite: Adjustmen (Temporary & permanent) Measurement of angles, curves, horizontal and vertical curves, their design and layout transition curves. 8. Minor Instruments Abneys Level, Tangent Clinometer, ceylone Ghat tracer, pantograph and planimeter.

**(c) Building Materials and construction.:** 1. Buildhing Materials: Bricks, their classification and characteristics, building stones, source, quarrying, classification and properties, lime, properties, Cement types, properties and tests, timber and wood products, types, properties and uses, paints, varnishes and distempers, glass and plaster etc., Lime concrete, uses in foundation and terracing, Cement concretes, ingredients, grading of aggregates, workability, water cement ratio, mixing, laying compaction, curing. 2. Building constructions- Detailing of walls, floors, roofs stair cases, doors and windows, finishing of building, plastering pointing, damp proofing etc., Ventilation and air conditioning fire fighting.

**(d) Water supply and sanitation for public building.:** 1. Sources of water, quality and quantity of water supply, water treatment, water distribution, laying of pipes, building water supply & maintenance. 2. Quantity of sewage, sewerage systems, sanitation and drainage, disposal of rainfall and domestic wastes. Including night soil, waste water and garbage, plumbing for public and residential buildings, septic tanks and soak pit, sewage treatment.

**CIVIL ENGINEERING (DIPLOMA COURSE)**  
**WATER RESOURCES ENGINEERING**

**PAPER-II**

1. Introduction: Definition of irrigation, necessity of irrigation, history of development of irrigation in india, types of irrigation in india. sources of irrigation water. 2. Rain fall & run-off: Definition of rainfall & run-off, catchment area, dicken's & ryve's formula, types of rain gauges-automatic & non-automatic, stream gauging. 3. Water requirement of crops: Definition of crop season, duty, delta and base period, their relationship, irrigation methods & efficiencies, gross command area, culturable command area, intensity of irrigation, irrigable area, water requirement of crops-kharif and rabi, preparation of water supply schedules for kharif and rabi. 4. Lift irrigation: Types of wells, shallow & deep well, aquifer, types, ground water flow, construction of open wells and tube wells yield of an open/tube well and problems, methods of lifting water, manual and mechanical devices, use of wind mills, lift canals their design, construction and water scheduling. 5. Flow irrigation: Irrigation canals, perennial irrigation, different parts of irrigation canals and their functions, sketches of different canal cross sections, classification of canals according to their alignment, design of irrigation canals, chezy's formula, mannings formula, kennedy's and lacey's silt theory and equations, comparison of above two silt theory, equations, critical velocity ratio, use of garrets and lacey's charts, various types of canal lining, advantage & disadvantages. 6. Canal head works: Definition, object, general layout functions of different parts, difference between weir and barrage. 7. Regulatory works: Functions and explanation of terms used cross and head regulators, falls, energy dissipates, outlets-different types, escapes. 8. Cross drainage works functions and necessity of the following types: Aqueduct, siphon, superpassage, level crossing, inlet outlet, constructional details of the above. 9. Dams: earthen dams-types, causes of failure, classification into masonry & concrete dams, labelled cross section of gravity dam, spillways. 10. Water logging and drainage: Definition, causes and effects, detection, prevention and remedies, surface and sub-surface drains and their layout, field drainage, salinity controlling measures, ground water recharging measures. 11. Flood protection: Estimation of flood discharges, systems of flood warning, river behaviour, training works and control, marginal embankments, their design, causes of failure, spurs & dykes, attracting & repelling types, nonstructural flood management, relief & rehabilitation measures. 12. Irrigation management: Checking of irrigated, areas, raising water charges, bills, compensation for crop damages, penalties for unauthorised use of irrigation water, procedure for imposition of panel rates. Canal law and its application, formation of water users, associations and their participation in irrigation management, command area development. 13. Major irrigation projects in India. 14. Fluid mechanics: (a) Properties of fluids, hydrostatic pressure of various types of surfaces, measurement of pressure, kinematics of fluid flow. (b) Dynamics of fluid flow, bernouli's theorem, measurement of flow, pilot tube, piezometer, orifices venturimeter, current meter. (c) Flow through pipes-losses and pipe network, water hammer, reynold's number. (d) Flow through open channels-hydraulic gradients, equation for uniform flow, chezy's and manning formula most economical section. (e) Measurement of discharges by (i) weirs and (ii) notch. (f) Hydraulic machines-pumps (Reciprocating and Centrifugal), Turbines (Impulse & Reaction).

**MECHANICAL ENGINEERING (Diploma Level)**

**Paper-I**

**SECTION - A**

**Applied Mechanics**

**Forces:** Transmissibility, moments and couples, funicular polygon, lami's theorem, varignon theorem. **Friction:** Limiting and dynamical friction, coefficient of friction, bodies on inclined planes, simple screw jack. **Machines:** Basic terms-mechanical advantage, velocity ratio, mechanical efficiency. **Lifting machines:** System of pulleys-weston differential pulleys. **Stress and strain:** Volumetric and lateral strains hooke's law, poisson ratio, modulus of rigidity bulk modulus. Application to bars and composite sections. **Beams and trusses:** Determinate cases, bow's notation. Types of supports. **Graphical methods:** Analytical methods of joints and sections. **Thin cylinders and spherical shells:** Hoop stress, longitudinal stress. Changes in dimensions and volumes of thin shells subjected to internal pressure.

**Theory of Machines and Automobile Technology**

**Slider crank mechanism:** Turning moment in single cylinder engine: Fluctuation of speed and energy; crank effort diagrams, flywheel size. Gear drive: Gear trains; simple, compound, epicyclic and reverted. automobile

gear box. Automobile differential. **Clutches:** Function of clutch in automobiles. Single plate and multiplate clutches. Friction torque for uniform wear and uniform pressure. **Cams:** Concept, classification of different cams and followers. Application to automobile engines, simple cam profiles for uniform velocity, SHM and uniform acceleration balancing. Static and dynamic balancing. balancing of masses rotating in same plane. Basic concept of several masses rotating in different planes, Application to automobile engines. Belt drive. Derivation of limiting ratios of driving tensions, centrifugal tension V-belts. Ropes and chains. **Dynamometers:** Classification, functions, construction and working concepts. **Governor:** Functions, classification: Watt, porter, hartnell, hartung. Elementary numericals about height, maximum and minimum radial, controlling force etc.

### **Mechanics of Solids**

**Mechanical properties of materials:** Concept of stress and strain, stress-strain curves of mild steel, aluminium, cast iron rubber etc., various moduli determination of stresses and strains in bolts, stepped bars, compound bars and columns oblique plane. Principal stresses, mohr circle. **Shear force/bending moments/deflection:** analysis of cases of concentrated and uniformly distributed load. **Shear force and bending moments diagrams:** Cantilever, simply supported, overhanging beams. **Strain energy:** resilience, derivation of formulae of strain energy for uniform bars in tension, shock load, shear stress. Modulus of resilience. **Torsion:** solid and hollow circular shafts-polar modulus, weights, power transmitted. **Springs:** close coiled helical springs. Laminated springs. Maximum stress and central deflection, (simple numericals, no proof of formulae). **Columns and struts:** long and short columns, slenderness ratio. End conditions and equivalent lengths. Euler and Rankine formulae (no derivation).

### **SECTION-B**

#### **Material Science**

**Materials:** Ferrous-iron, steel, alloy steels. Nonferrous metals-aluminium, zinc, copper, tin, lead. Nonmetallic materials-timber, polymers. Basic knowledge of their production. **Structure of materials:** Crystalline, amorphous, arrangement of atoms. Crystal structure, imperfections. mechanical properties of common metals and alloys, deformation. **Heat treatment:** Iron-carbon equilibrium diagram, TTT curves; recovery recrystallisation and grain growth, elementary concepts of hardening, tempering, annealing normalizing and case hardening. **Alloy elements:** effects of alloying Cr, Co, Si, Mn etc., Tool steels, stainless steels, heat resisting alloys, spring steel. **Nonferrous materials:** Duralumin, solders, brass, bronze, gmetal, inconel. **Non-metallic materials:** Timber-plywood, hard board, seasoning. Polymers, thermoplasts and thermosets. Heat insulating materials. Glass wool, thermocol, rubber. **Electric insulation materials:** Bakelite, mica refractory materials; composites.

#### **Design and Estimating**

**General design considerations for machine parts:** Steps in machine design, factor of safety. Mechanical properties of materials, selection of materials. Machine parts subjected to the following loadings: **(i) Direct and shear loads:** Threaded connection, cotter and knuckle joints **(ii) Bending moment:** Design for railway wagon axle and road vehicle axles. Proof load and proof stress. Semi elliptic laminated springs, maximum stress and deflection, **(iii) Twisting moment:** Solid and hollow shafts. Design of keys and coupling bolts in rigid flanged coupling. **Reveted and welded joints:** Types of reveted joints, strength, efficiency, safe load and pitch of revets, lap and butt joints. Common types of welded joints, leg length, throat thickness and size of weld. Simple design for vee, butt, transverse fillet and parallel fillet welded joints. **Theories of failure:** Maximum principal stress theory, maximum shear stress theory, concept of equivalent bending moment and torque; **Rolling elements bearing:** Equivalent load, dynamic capacity, life of bearings. **Estimation of material requirements:** Estimation of weight of simple machine parts. Review of the area/volume of triangle, hexagon, octagon, cylinder, frustum of cone and pyramid etc. **Estimation of time for common operations:** Turning, facing, threading, drilling, shaping, chamfering. Simple problems pertaining to above. **Estimation of cost:** Concept of costing-direct materials, indirect materials, direct labour, indirect labour, overhead expenses. Break-even analysis. **Cost estimation of welding:** Cost of materials, fabrication, preparation, welding, finishing and overhead expenses.

#### **Industrial Engineering**

**Plant Layout:** General plant location factors, selection of plant site. Product layout, process layout. **Standardization:** National and international standards, value of standardization. Standardization techniques and problems. **Quality Control:** Elements of quality control and objectives. Frequency distribution. X-R charts, P-charts, C-charts and acceptance sampling concept of production. Inspection and its objectives. Types of inspections. **Work Study:** Flow process chart, flow diagrams, work measurement, time study. Time



and motion study. **Products, planning and control:** Sales forecasting and its uses. Planning-products, process, parts, materials. Optimum batch quantity for production and inventory. Routing, dispatching and follow-up activities. **Inventory control:** Elements of control procedures, types of controls. Inventory control system of bin and recorder cycle system. Safety stock concepts. **Material handling:** Factors in material handling problems. Reduction of cost and time through improved material handling. **Material handling equipment:** Lifting, lowering, transporting and combination devices. **Industrial safety:** Need for safety-legal, humanitarian, economic and social considerations. Safety at work place-unsafe conditions and hazards-electrical hazards, lighting, ventilation, heat control, noise and vibrations, fire and explosion, chemical hazards; hygiene. Brief knowledge of relevant acts like factory act, workman compensation act, Indian boiler act, Indian electricity act, explosive act.

## MECHANICAL ENGINEERING (Diploma Level)

### Paper-II

#### SECTION - A

##### **Thermal Engineering**

**Boilers:** Fire tube, water tube, mountings and accessories. Equivalent evaporation, efficiencies. **Steam and gas turbines:** Impulse and reaction. Turbine components. Classification. Steam condensers, components and construction features. Internal combustion engines, classification. Two stroke and four stroke engines. Main components and their functions. Air standard cycles, otto, diesel, dual; efficiencies. Engine lubrication, cooling systems. **Air compressors:** Types reciprocating and rotary, single stage and two stage compressors. Simple numerical problems.

##### **Refrigeration and Air Conditioning**

**Refrigeration:** Various cycles. COP. Representation of cycles in p-V, T-S and P-H diagrams. **Vapour compression system:** Wet and dry compression. Domestic refrigerator. Vapour absorption system, cycles of operation. Simple numerical problems. **Refrigerants:** Classification, properties SO<sub>2</sub>, CO<sub>2</sub>, NH<sub>3</sub>, Freon-12 etc., **Air conditioning:** Psychrometry, basic ideas of salient terms-dry and wet bulb temperatures, dew point, enthalpy, sensible heating, humidification and dehumidification, sensible heat factor, basic knowledge of room air conditioning. Central air conditioning systems.

##### **Hydraulics & Hydraulic Machines**

**Fluid Properties:** Pressure-depth relationship, total pressure on lamina, condition of equilibrium of floating bodies, meta center and meta centric height (simple numerical problems). **Fluid dynamics:** types of flow, equation of continuity. Bernoulli equation, orifices, coefficients of contraction, velocity and discharge. Minor losses in fluid flow. Venturimeter, orifice meter, pilot tube. **Notches and weirs:** Rectangular notch, V-notch francis and bazin formulae for rectangular weirs. Broad crested weirs. Flow through pipes, friction loss darcy weisbach equation. Simple numericals. **Channels:** uniform flow in rectangular and trapezoidal channels. Chezy and manning equations. Most economical sections. **Hydraulic machines:** Impulse and reaction turbines, pelton, francis and kaplan turbines-constructional and operational features. Velocity diagrams. **Pumps:** Centrifugal and reciprocating pumps. Basic knowledge of constructional and operational features.

#### SECTION-B

##### **Manufacturing Processes**

**Metal forming processes:** Classification on the basis of properties of deformability, fusibility and divisibility such as rolling, forging, drawing, extruding, pressing, punching, blanking, spinning. **Welding:** Concept of various welding processes-electric arc, resistance, thermit, metal-inert-gas, tungsten-inert-gas, laser beam, electron beam, explosion and ultrasonic. **Welding of different materials in industries:** Plastics, aluminium, copper, brass, bronze, alloy steels, cast iron, stainless steel; oxyacetylene method. Welding arcs; arc initiation, structure, types, metal transfer characteristics. Different types of electrodes. Basic knowledge of testing of welds and relevant welding code. **Foundry practice:** Patterns and moulding-pattern types, materials, allowances, layout, colour scheme, difects cores. **Moulding process:** Mould materials, types of sands, parting powders, sand mixing and preparation. Moulding defects. Melting and pouring. Basic knowledge of refractory materials and fluxes. Furnaces-cupola, pit, tilting and electric types. **Special castings:** Shell mould casting, die casting, investment mould casting. Centrifugal and continuous casting, full mould casting. **Powder metallurgy:** Basic knowledge of the process, production of metal powders, blending, compaction, sintering etc. Self lubricated bearings. Advantages and limitations of the process.

##### **Mechine Tool Technology & Maintenance**

**Machine tools:** Basic common features, drive systems, sources of power, work and tool holding devices, speed varying systems, mechanical methods of providing automaticity in machine tools. **Lathe:** Various parts, their functions and kinematics, lathe accessories and attachments. Capstan and turret lathe tools operations carried out on lathes such as turning, taper turning, drilling, screw cutting, reaming, knurling. Common lath tools and their uses. Simple kanowledge of computer numerical control (CNC) lathes and automation. **Milling machines:** Types, components, general maintenance. Operations such as plane milling, angular milling, straddle milling, spur gear milling, endexing. **Shaping, planing and slotting machines:** Components, working principle, quick return mechanism; types of tools used, their geometry. **Drilling and boring machines:** Constructional details and principle of working. Classification such as simple and radial types. Tools used. Maintenance; general and periodic. **Grinding machines:** Types common abrasive materials, grains, grits; speeds and feeds. Use of coolants. **Jigs and fixtures:** Difference between jigs and

fixtures, types of jigs. **Cooling processes:** Coolants and cutting fluids their functions, selection for different materials and operations.

### **Workshop Practice & Production Technology**

**Workshop technology:** Scope in engineering. Brief survey of different shops generally contained in a standard engineering workshop viz. Carpentry, foundry, smithy, sheet metal, fitting, painting and machine shops. **Carpentry:** Common carpentry tools-their classification such as marking and measuring, holding and supporting, cutting and sawing, drilling and boring, striking and turning (name of parts, functions and specification only). **Joining of timber components:** Types of joints, common defects likely to occur in joints, their causes. **Foundry:** Basic knowledge of tools used in foundries. **Patterns-types, uses and allowances:** Green sand moulding; sand preparation and additives, parting powders, problems in moulding, uses of cores, risers, gates, chills etc. **Smithy:** Basic concepts of operations in smithy shop such as fullering, upsetting, swaging, forge welding drawing down. Tools used in smithy (names, functions and size specifications only) smithy forge, blower, shovel anvil, swage block, striking tools, punch, drift and hammers. **Sheet metal shop:** Basic knowledge of operations such as laying out, shearing, blanking, seaming, burning, stamping etc., tools in sheet metal shop used for marking, measuring, punching. **Fitting shop:** Fasteners like rivets, bolts, nuts, screws, keys, pins etc., (basic understanding only). Tools used in fitting shop such as threading tools, dies, taps, vices, wrench and spanners, hack saw, drills (names, function and specifications only). **Painting shop:** Surface preparation, sand and emery papers, varnishing and polishing. Common materials used such as red oxide, putty, yellow clay. Defects likely to occur in painting and their remedies. **Machine shop:** Elementary theory of metal cutting; chips-types, geometry of formation. Brief idea of newer machining processes such as abrasive jet machining, ultrasonic machining, chemical machining, electric discharge machining, laser beam machining, electron beam machining, plasma arc machining. **Metal finishing processes:** Such as diamond machining, honing, lappings buffing etc.

**ELECTRICAL ENGINEERING (Diploma Level)**

**Paper-I**

**SECTION - A**

**(Brief study of following subjects)**

**1. Basic Electrical Engg.:** Basic terminology and their concept, D.C. circuits, batteries, capacitors, electromagnetism, electromagnetic induction, A.C. circuits, polyphase circuits. **2. Electrical and electronic engg. materials:** Classification, conducting materials, insulating materials, magnetic materials, semiconductor materials, special purpose materials. **3. Electronics-I:** Semiconductor diode, bipolar junction transistor, basic transistor amplifier, single stage transistor amplifier, transistor power amplifier, feedback in amplifiers, regulated power supply. **4. Electrical machine-I:** Generalized treatment, D.C. machines, transformer, A.C. generator (Alternator). Voltage regulators.

**SECTION-B**

**(Brief study of following subjects)**

**5. Electrical instruments and measurements:** Introduction to electrical measuring instruments, measurement and errors, ammeters and voltmeters (moving coil and moving iron) wattmeters (dynamometer type) and max. demand indicator, energy meter (induction type), miscellaneous measuring instruments, electronic instruments, measurement of resistance, inductance and capacitance. Elements of process instruments. **6. Power plant engg.:** Thermal stations, hydro electric plants, nuclear power plants, diesel power plants, gasturbine plants. Combined working of power plants, major electrical equipment in power stations, recent development. **7. Transmission and distribution of electrical powers:** Electrical design of lines. Constructional features of transmission lines, economic principles of transmission, mechanical design of distribution system lines/power factor improvement, underground cables, carrier communication. **8. Electronics-II:** Digital electronics, microprocessors, oscillators, integrated electronics, operational amplifiers, communication engg.

**ELECTRICAL ENGINEERING (Diploma Level)**

**Paper-II**

**Section – A**

**(Brief study of following subjects)**

1. **Network Theorems:** KCL, KVL, Thevenin's theorem, Norton's theorem, Superposition theorem and Maximum power transfer theorem.
2. **Electrical Machines-II :** Synchronous motor, Induction motor, FHP motors, Stepper motor, Servomotor, Submersible pumps.
3. **Switchgear and Protection:** Distribution system, Causes of low power factor, Fuses, Switchgears, Circuit breakers, Isolators, protective schemes, overvoltage protection, over current protection, different types of substations.
4. **Non-conventional sources of energy :** Importance and it's present scenario, Future prospects and it's Economics, Solar Energy, Bio Energy, Wind Energy, Geothermal and Tidal Energy.
5. **Estimation and costing in Electrical Engineering :** Introduction and types of wiring, Estimation and costing of overhead and underground distribution. Introduction to Energy Management.
6. **Utilization of Electrical Energy:** Illumination, Electrical welding, Electric-heating, Electrolytic process, Electric circuits in refrigeration, Air conditioner and water cooler, Electric drives and Electric traction.

**Section – B**

**(Brief study of following subjects)**

7. **Installation and Maintenance of Electrical equipment:** Brief study of Electrical maintenance, installation and commissioning, Preventive maintenance of electrical equipments, Electrical safety, Insulation testing and electrical earthing.
8. **Industrial Electronics:** Semiconductor, Introduction to SCR, Controlled Rectifiers, Choppers, Dual Convertors, Cycloconverters, Thyristor control of electric drives and UPS.
9. **Instrumentation and control:** CRO and it's application, open loop and closed control system, Components and circuits of control system, Introduction, working and application of programmable logic controllers (PLC).
10. **Miscellaneous measurements and Transducers:** Meggar and it's application, Transducers, Measurement of displacement, strain, force, torque, pressure flow and temperature, signal conditioning, recording and display systems.

## AGRICULTURAL ENGINEERING (Diploma Level)

### Paper-I

#### SECTION - A

**1- Farm Power Engineering & Non Conventional sources of Energy:** Introductions : Sources of power on farms, comparative study and uses. Limitation and brief description of animal, fossil fuel (Diesel/petrol) wind, solar, Biogas and electric power. **I.C. Engines :** Principles Heat engine, principle of operation, classification of I.C. Engines, Principles of operation two stroke and four stroke engine. Diesel and petrol engine, stationary, reciprocating and rotary parts, their material of construction and functions. Concept of terms related with I.C. engine, Numerical problems related with different terms. Performance of engine. **Tractor:** Introduction Classification of tractor and adoptability. Factors affecting selection of tractor. General idea about different makes, models, in different H.P. ranges of tractors. **Hourly Cost of Operation :** Hourly Cost of operation of small petrol engine, diesel engine and tractor.

**2- Non Conventional Energy ; Bio-gas Technology :** Introduction of Biogas, Production of Biogas, Bio-digestion of plants and animals waste, reaction taking place during bio-digestion, gases produced during the process, elimination of unwanted gases such as CO<sub>2</sub> and H<sub>2</sub> s. Factors affecting production of gas, efficiency of Bio-gas plants in winter, uses of biogas. **Wind Energy Technology:** Types of wind mills-Vertical axis and Horizontal axis. Various uses of wind mills. Site selection for a wind mill construction, working and maintenance of wind mills. **Solar Energy Technology :** Solar radiation and potentiality of solar radiation in India. Application of solar energy. solar collector.

#### Section-B

**3- Post Harvest Technology & Agro Based Industries :** Introduction: Importance of grain and seed processing principles of agricultural processing, sequence of operation, Flow digestion services offered by processor of farmers: Wheat, Maize, paddy and Soyabean, **Agro-Based Industries:** Sugercane crushing, khandsari and Gur making process and equipment, vegetable and animal waste utilization, bye products of Soyabean and potato, dehydration of vegetables.

**4- Farm & Land Development Machinery : Farm Mechanization:** Definition, Status of farm mechanization in India, Scope, Limitation, Advantages. Primary and Secondary tillage equipment, Sowing and Planting equipment, Harvesting and threshing equipment, Land Development equipment: construction, operation and output of the following Dozen Scraper, Draghoe and Dragline.

**AGRICULTURAL ENGINEERING (Diploma Level)**

**Paper-II**

**SECTION - A**

**1- Irrigation and Drainage Engineering:** Introduction: Definition of Irrigation, History of Irrigation, Necessity and scope of Irrigation. **Water Requirement of Plants:** Types of soils, soil properties in relation of Irrigation and drainage, classes and availability of soil water, Evaporation, transpiration, evapotranspiration, consumptive use, estimating crop water requirements, duty of water, delta. Assessment irrigation water requirements of different crops, estimation of depth and time of irrigation, different criteria for irrigation scheduling depending upon soil plant- atmospheric factor. **Irrigation Methods:** Surface and subsurface methods, sprinkler and drip system of irrigation and conjunctive use. Measurement of irrigation efficiencies, water conveyance, storage, application, distribution and water use efficiency.

**Drainage Engineering:** Definition, necessity, water logging salinity, its control interrelationship of irrigation, drainage, drainage coefficient. Different types of surface and subsurface drainage system.

**2- Minor Irrigation :** Importance, necessity and advantages of minor irrigation, land survey, method of levelling, determination of cuts and fill. Importance and necessity of levelling. Sources of minor irrigation. Definition of tubewell, need, advantage & disadvantage, characteristics of tubewell site, factor affecting site selection.

**Section - B**

**3- SOIL & WATER CONSTRUCTION AND LAND RECLAMATION ENGINEERING:** Mechanics, types and causes of soil erosion, factors affecting erosion, damages caused by soil erosion. Agronomical measures for soil & water conservation : Contour tarming, matching, grip cropping, cover cropping, mixed cropping, role of grasses in soil conservation. **Mechanical mothod of erosion control:** Field bunding, contour bunding, graded bunding, ridge and channel terraces. **Gully erosion control:** classification of gullies, control of gullies by temporary and permanent structures: earthen check dams, brush dams, loose rock dams, straight drop spiliway. **Land Reclamation:** Classification of user soils, salty resistant crops, reclamation of user soils. Reclamation of waste lands forest lands and sandy soils, sanddunes stabilization. **Ravine Reclamation:** Classification of ravines and various measures for ravine reclamation.

-----

### परिशिष्ट-3

## उत्तराखण्ड राज्य की आरक्षित श्रेणियों हेतु निर्धारित प्रमाण-पत्रों के प्रपत्र। प्रमाण-पत्र का प्रारूप

उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिये जाति प्रमाण प्रपत्र  
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी .....

सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री श्री ..... निवासी ग्राम ..... तहसील .....

नगर ..... जिला ..... उत्तराखण्ड की .....जाति के व्यक्ति हैं, जिसे संविधान

(अनुसूचित जाति) आदेश 1950 (जैसा कि समय-समय पर संशोधित हुआ) संविधान (अनुसूचित जनजाति उ0प्र0) आदेश 1967,

जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में प्रभावी है, के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है।

श्री/श्रीमती/कुमारी .....तथा अथवा उनका परिवार

उत्तराखण्ड के ग्राम .....तहसील .....नगर .....जिला ..... में

सामान्यतया रहता है।

स्थान :

हस्ताक्षर .....

दिनांक :

पूरा नाम .....

मुहर :

पदनाम .....

जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/सिटी  
मजिस्ट्रेट/उप जिला मजिस्ट्रेट/तहसीलदार  
/जिला समाज कल्याण अधिकारी।



उत्तराखण्ड राज्य के अन्य पिछड़े वर्ग के लिये जाति प्रमाण-पत्र  
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी .....

सुपुत्र/पत्नी/ सुपुत्री श्री ..... निवासी ग्राम ..... तहसील

.....नगर ..... जिला ..... उत्तराखण्ड के राज्य की .....

पिछड़े जाति के व्यक्ति हैं। यह जाति उ0प्र0 लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण अधिनियम,1994) जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में प्रभावी है, की अनुसूची-1 के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है। उक्त अधिनियम,1994 की अनुसूची-2 से अधिसूचना संख्या-22/16/92-का-2/1995 टी.सी. दिनांक 08 दिसम्बर,1995 द्वारा यथा संशोधित से आच्छादित नहीं है।

श्री/श्रीमती/कुमारी ..... तथा अथवा उनका परिवार उत्तराखण्ड के ग्राम .....

तहसील ..... नगर ..... जिला .....में सामान्यतया रहता है।

स्थान : हस्ताक्षर .....

दिनांक : पूरा नाम .....

पदनाम .....

मुहर .....

जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/सिटी  
मजिस्ट्रेट/उप जिला मजिस्ट्रेट/तहसीलदार  
/जिला समाज कल्याण अधिकारी।

उत्तराखण्ड राज्य के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों के लिए प्रमाण-पत्र  
शासनादेश संख्या 4/23/1982-2/1997, दिनांक 26 दिसम्बर, 1997  
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)  
प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी .....

सुपुत्र/पत्नी/ सुपुत्री ..... निवासी ग्राम .....

तहसील ..... नगर ..... जिला ..... उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से

विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिक के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1993 जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य

में लागू है, के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं और श्री/श्रीमती/कुमारी(आश्रित) .....

पुत्र/पुत्री/पौत्र (पुत्र का पुत्र) और पौत्री (पुत्र की पुत्री)(विवाहित या अविवाहित)/पुत्री के पुत्र/पुत्री उपयांकित अधिनियम, 1993

के ही प्रावधानों के अनुसार उक्त श्री/श्रीमती/(स्वतंत्रता संग्राम सेनानी) के आश्रित हैं।

स्थान : हस्ताक्षर .....

दिनांक : पूरा नाम.....

पदनाम .....

मुहर .....

जिलाधिकारी .....

(सील) .....

संस्थान/अस्पताल का नाम और पता

प्रमाण पत्र संख्या - ..... तारीख .....

निःशक्तता प्रमाण-पत्र

चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा विधिवत प्रमाणित उम्मीदवार का हाल का फोटो जो उम्मीदवार की निःशक्तता दर्शाता हो।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु0..... सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री  
.....आयु ..... लिंग ..... पहचान चिन्ह .....  
निम्नलिखित श्रेणी की स्थायी निःशक्तता से ग्रस्त है।

- क. गति विषयक (लोकोमोटर) अथवा प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात (फॉल्लिज)
- (i) दोनों टांगें (बी एल) - दोनों पैर प्रभावित किन्तु हाथ प्रभावित नहीं
- (ii) दोनों बांहें (बी ए) - दोनों बांहें प्रभावित (क) दुर्बल पहुँच  
(ख) कमजोर पकड़
- (iii) दोनों टांगें और बांहें (बी एल ए)-दोनों टांगें और दोनों बांहें प्रभावित
- (iv) एक टांग (ओ एल) - एक टांग प्रभावित (दायां या बायां)  
(क) दुर्बल पहुँच  
(ख) कमजोर पकड़  
(ग) गति विभ्रम (अटैक्सिस)
- (v) एक बांह (ओ ए) - एक बांह प्रभावित  
(क) दुर्बल पहुँच  
(ख) कमजोर पकड़  
(ग) गति विभ्रम (अटैक्सिस)
- (vi) पीठ और नितम्ब (बी एच) - पीठ और नितम्ब में कड़ापन (बैठ और झुक नहीं सकते)
- (vii) कमजोर मांस पेशियां (एम डब्लू) - मांस पेशियों में कमजोरी और सीमित शारीरिक सहनशक्ति।
- ख. अंधापन अथवा अल्प दृष्टि -
- (i) बी - अंधता
- (ii) पी बी - ऑशिक रूप से अंधता
- ग. कम सुनाई देना
- (i) डी-बधिर
- (ii) पी डी - ऑशिक रूप से बधिर

(उस श्रेणी को हटा दें जो लागू न हो)

2. यह स्थिति में प्रगामी है/गैर प्रगामी है/इसमें सुधार होने की सम्भावना है/सुधार होने की सम्भावना नहीं है। इस मामले का पुनर्निर्धारण किए जाने की अनुशंसा नहीं की जाती। .....वर्षों ..... महीनों की अवधि के पश्चात् पुनर्निर्धारण किए जाने की अनुशंसा की जाती है। '
3. उनके मामले में निःशक्तता का प्रतिशत ..... है।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए निम्नलिखित शारीरिक अपेक्षाओं को पूरा करते/करती हैं:-

- |  |          |
|--|----------|
| (i) एफ-अंगुलियों को चलाकर कार्य कर सकते/सकती हैं।              | हाँ/नहीं |
| (ii) पी पी-धकेलने और खींचने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं।    | हाँ/नहीं |
| (iii) एल-उठाने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं।                 | हाँ/नहीं |
| (iv) के सी-घुटनों के बल झुकन और दबक कर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (v) बी-झुक कर कार्य कर सकते/सकती हैं।                          | हाँ/नहीं |
| (vi) एस-बैठ कर कार्य कर सकते/सकती हैं।                         | हाँ/नहीं |
| (vii) एस टी-खड़े होकर कार्य कर सकते/सकती हैं।                  | हाँ/नहीं |
| (viii) डब्लू-चलते हुए कार्य कर सकते/सकती हैं।                  | हाँ/नहीं |
| (ix) एस ई-देख कर कार्य कर सकते/सकती हैं।                       | हाँ/नहीं |
| (x) एच-सुनने/बोलने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं।             | हाँ/नहीं |
| (xi) आर डब्लू-पढ़ने और लिखने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं।   | हाँ/नहीं |

(डा0.....)

सदस्य  
चिकित्सा बोर्ड

(डा0.....)

सदस्य  
चिकित्सा बोर्ड

(डा0.....)

सदस्य  
चिकित्सा बोर्ड

चिकित्सा अधीक्षक/मुख्य चिकित्सा अधिकारी/अस्पताल के  
मुखिया द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित  
(मुहर सहित)

' जो लागू न हो काट दें।

उत्तराखण्ड सरकार

(प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता)

(अधिसूचना संख्या 64/XXXVI(3)/2019/19(1)/2019 दिनांक 07 मार्च, 2019 के अधीन)

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र संख्या.....वर्ष.....हेतु मान्य दिनांक.....

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....  
पुत्र/पत्नी/पुत्री.....ग्राम/मुहल्ला.....  
पोस्ट ऑफिस.....जिला.....पिन कोड.....  
उत्तराखण्ड राज्य के मूल निवासी/स्थायी निवासी हैं, जिनका नवीनतम फोटो नीचे प्रमाणित है।  
इनके परिवार की सभी स्रोतों से वित्तीय वर्ष.....की औसत आय आर्थिक रूप से  
कमजोर वर्ग के लिए निर्धारित मानक ₹ 8.00 लाख (रुपये आठ लाख) से कम है और इनका  
परिवार निम्न में से कोई सम्पत्ति धारित नहीं करता है :-

- (I) कृषि भूमि 5 एकड़ या उससे अधिक, या
- (II) आवासीय भवन 1000 वर्ग फुट या उससे अधिक, या
- (III) अधिसूचित नगरपालिकाओं में 100 वर्ग गज या उससे अधिक के आवासीय भूखण्ड, या
- (IV) अधिसूचित नगरपालिकाओं के अलावा अन्य क्षेत्रों में 200 वर्ग गज या उससे अधिक के भूखण्ड।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी.....जो कि.....जाति से हैं  
और भारत सरकार/उत्तराखण्ड सरकार की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा  
वर्ग सूची में सम्मिलित नहीं है।

हस्ताक्षर सहित कार्यालय की मुहर  
नाम.....  
पदनाम.....

आवेदक का नवीनतम  
पासपोर्ट साइज का  
प्रमाणित फोटो

*naishu*

## परिशिष्ट-4

### 'उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य कनिष्ठ अभियन्ता सेवा परीक्षा-2023' हेतु लिखित परीक्षा में न्यूनतम अर्हकारी अंक (Qualifying Marks)

अनारक्षित वर्ग, उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति तथा उत्तराखण्ड अनुसूचित जनजाति के पदों के सापेक्ष अभ्यर्थियों को लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा हेतु उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया विनियमावली, 2022 (यथा संशोधित) के द्वारा निर्धारित निम्नलिखित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य है :-

क्र. सं.	आरक्षण की श्रेणी	लिखित प्रकृति (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा का परिणाम तैयार किए जाने हेतु निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक (प्रतिशत में)
1	अनारक्षित एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	45%
2	अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	40%
3	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी एवं संबंधित उपश्रेणी	40%
4	अनुसूचित जाति श्रेणी / अनुसूचित जनजाति श्रेणी एवं सम्बन्धित उपश्रेणी	35%

**नोट :-** सम्बन्धित श्रेणी / उपश्रेणी के पदों के सापेक्ष अभ्यर्थियों को उक्तानुसार न्यूनतम अर्हकारी अंक (प्रतिशत में) प्राप्त करने पर ही प्रवीणता सूची हेतु विचारित किया जाएगा।

## परिशिष्ट-5

शासनादेश संख्या : 374(1)/XXX(2)/2019-30(5)/2014 दिनांक 20 नवम्बर, 2019 के अनुपालन में दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किए जाने के संबंध में मार्गदर्शिका सिद्धांत

1. आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली स्क्रीनिंग/प्रारंभिक/लिखित परीक्षा में Benchmark विकलांगता धारित अभ्यर्थी जो Blindness (अंधता), locomoter disability (Both arm affected-BA) (चलनक्रिया (दोनों हाथ प्रभावित)) तथा cerebral palsy (मस्तिष्क घात)से ग्रस्त हैं तथा इसके अतिरिक्त वे समस्त अभ्यर्थी, जो देश के किसी भी क्षेत्र में अवस्थित सक्षम स्वास्थ्य प्राधिकारी (मुख्य चिकित्साधिकारी/शल्य चिकित्सक/चिकित्सा अधीक्षक) द्वारा निर्गत परिशिष्ट-5(I) प्रारूप में प्रमाण पत्र धारित करते हैं, को श्रुतलेखक की सुविधा प्रदान की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा उक्त का दावा अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में करना होगा। परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व अभ्यर्थी को परिशिष्ट-5(I) की प्रति, श्रुतलेखक से संबंधित परिशिष्ट-5(II) की प्रति एवं श्रुतलेखक की दो आवक्ष फोटो को आयोग कार्यालय में उपलब्ध कराना होगा।
2. अभ्यर्थी द्वारा अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेख करना होगा कि श्रुतलेखक की सुविधा आयोग कार्यालय द्वारा उपलब्ध करायी जानी है अथवा अभ्यर्थी द्वारा स्वतः श्रुतलेखक की व्यवस्था की जाएगी। यदि अभ्यर्थी द्वारा स्वयं श्रुतलेखक को लाने का दावा किया जाता है तो परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व अभ्यर्थी को परिशिष्ट-5(I) की प्रति, श्रुतलेखक से संबंधित परिशिष्ट-5(II) की प्रति एवं श्रुतलेखक की दो आवक्ष फोटो को आयोग कार्यालय में उपलब्ध कराना होगा।
3. यदि अभ्यर्थी द्वारा श्रुतलेखक की सुविधा हेतु आयोग से अनुरोध किया जाता है तो परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व अभ्यर्थी को परिशिष्ट-5(I) प्रमाणपत्र की प्रति आयोग कार्यालय में उपलब्ध करानी होगी तथा श्रुतलेखक की समीक्षा/सत्यापन हेतु अभ्यर्थी को आयोग कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए श्रुतलेखक से परीक्षा तिथि से दो दिन पूर्व मिलवाया जाएगा तथा अभ्यर्थी का परीक्षा केन्द्र प्रत्येक दशा में परीक्षा भवन, उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार होगा।
4. श्रुतलेखक की शैक्षिक योग्यता प्रश्नगत पद की अनिवार्य शैक्षिक योग्यता से एक स्तर कम होगी किंतु किसी भी दशा में हाईस्कूल से न्यून नहीं होगी। दिव्यांग अभ्यर्थी को विभिन्न भाषा विषय/प्रश्नपत्र में एक से अधिक श्रुतलेखक अनुमन्य किया जा सकता है, किन्तु एक विषय/प्रश्नपत्र में एक से अधिक श्रुतलेखक किसी भी दशा में अनुमन्य नहीं किया जाएगा।
5. दिव्यांग अभ्यर्थी की परीक्षा (प्रारंभिक/स्क्रीनिंग/लिखित) आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप पर नहीं ली जाएगी और न ही प्रश्नपत्र के प्रारूप में किसी प्रकार का संशोधन किया जाएगा।
6. कम्प्यूटर आधारित परीक्षाओं हेतु विकलांगता धारित अभ्यर्थियों को परीक्षा तिथि से एक दिन पूर्व कम्प्यूटर सिस्टम के निरीक्षण की सुविधा दी जाएगी। आयोग द्वारा अभ्यर्थी को कम्प्यूटर परीक्षा हेतु स्वयं का केवल की-बोर्ड तथा माउस लाने की अनुमति दी जाएगी।
7. श्रुतलेखक की सुविधायुक्त दिव्यांग अभ्यर्थियों को 20 मिनट प्रति घण्टे का क्षतिपूर्ति समय प्रदान किया जाएगा। एक घण्टे से कम समय हेतु क्षतिपूर्ति समय 20 मिनट प्रति घण्टे के अनुपात में निर्धारित किया जाएगा जो कि 5 मिनट से कम नहीं होगा तथा 5 मिनट के गुणांक में होगा।
8. जिन परीक्षाओं में केलकुलेटर की सुविधा अनुमन्य होगी उन परीक्षाओं हेतु दिव्यांग अभ्यर्थियों को talking calculator की सुविधा प्रदान की जाएगी तथा श्रुतलेखक व अभ्यर्थी के मध्य संचार हेतु उपयोग में लाई जाने वाले उपकरण जैसे (trailer frame, Braille slate, abascus, geometry kit, communication devices etc.) भी परीक्षा हेतु अनुमन्य होंगे; उपरोक्त सभी उपकरण अभ्यर्थी द्वारा स्वयं लाये जायेंगे।
9. दिव्यांग अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर प्रत्येक दशा में भू-तल के निर्धारित परीक्षा-कक्ष में बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

सचिव

**Certificate regarding physical limitation in an examinee to write**

This is to certify that, I have examined Mr/Ms/Mrs ----- (name of the candidate with disability), a person with ----- (nature and percentage of disability as mentioned in the certificate of disability), S/o/D/o -----, a resident of ----- (Village/District/State) and to state that he/she has physical limitation which hampers his/her writing capabilities owing to his/her disability.

Signature

Chief Medical Officer/Civil Surgeon/Medical Superintendent  
of a Government Health care institution

Name & Designation

Name of Government Hospital/Health Care Centre with Seal

Place:

Date:

**Note:**

Certificate should be given by a specialist of the relevant stream/disability (eg. Visual impairment- Ophthalmologist, Locomotor disability Orthopedic specialist/PMR)



परिशिष्ट-5

APPENDIX-5(II)

**Letter of Undertaking for using own Scribe**

I -----, a candidate with -----(name of the disability) appearing for the -----(name of the examination) bearing Roll No. ----- at ----- (name of the centre) in the District ----- (name of the State). My qualification is -----.

I do hereby state that -----(name of the scribe) will provide the service of scribe/reader/lab assistant for the undersigned for taking the aforesaid examination.

I do hereby undertake that his qualification is ----- . In case, subsequently it is found that his qualification is not as declared by the undersigned and is beyond my qualification, I shall forfeit my right to the post and claims relating thereto.

(Signature of the candidate with disability)

Place:

Date:

## परिशिष्ट-06

**दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 2(s) से आच्छादित किन्तु अधिनियम की धारा 2(r) से अवमुक्त अर्थात् 40 प्रतिशत से कम दिव्यांगता धारित ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें लिखने में कठिनाई है, को श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किये जाने हेतु दिशा निर्देश**

1. आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली स्क्रीनिंग/प्रारंभिक/लिखित परीक्षा में श्रुतलेखक एवं/या क्षतिपूर्ति समय की सुविधा लिखने में असमर्थ केवल ऐसे दिव्यांग अभ्यर्थियों को प्रदान की जाएगी जिनके द्वारा परिशिष्ट-6(1) पर निर्धारित प्रारूप पर राजकीय चिकित्सालय के सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त इस आशय का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा कि अभ्यर्थी लिखने में असमर्थ है तथा अभ्यर्थी को परीक्षा हेतु श्रुतलेखक की आवश्यकता है।
2. श्रुतलेखक की अनुमन्यता के संबंध में प्रेषित किया जाने वाला परिशिष्ट-6(1) पर निर्धारित प्रारूप पर प्रमाण-पत्र निम्नवत गठित बहु-सदस्यीय समिति द्वारा निर्गत किया जाना अनिवार्य है—
  - i. Chief Medical officer/Civil Surgeon/Chief District Medical Officer..... अध्यक्ष
  - ii. Orthopaedic/PMR specialist
  - iii. Neurologist (उपलब्धता के आधार पर)
  - iv. Clinical Psychologist/Rehabilitation Psychologist/ Psychiatrist/Special Educator
  - v. Occupational therapist. (उपलब्धता के आधार पर)
  - vi. समिति के अध्यक्ष द्वारा अभ्यर्थी की स्थिति के आधार पर नामित अन्य कोई सदस्य।
3. अभ्यर्थी द्वारा अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेख करना होगा कि अभ्यर्थी द्वारा स्वतः श्रुतलेखक की व्यवस्था की जाएगी अथवा श्रुतलेखक आयोग कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। यदि अभ्यर्थी द्वारा श्रुतलेखक की सुविधा हेतु आयोग से अनुरोध किया जाता है तो परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व तक अभ्यर्थी को परिशिष्ट-6(1) प्रमाण-पत्र आयोग कार्यालय में उपलब्ध कराना होगा तथा श्रुतलेखक की समीक्षा/सत्यापन हेतु अभ्यर्थी को श्रुतलेखक से परीक्षा तिथि से दो दिन पूर्व मिलवाया जाएगा। उक्त स्थिति में अभ्यर्थी का परीक्षा केन्द्र प्रत्येक दशा में हरिद्वार होगा।
4. श्रुतलेखक की शैक्षिक योग्यता संबंधित परीक्षा हेतु निर्धारित अनिवार्य शैक्षिक अर्हता से एक स्तर कम होगी किन्तु किसी भी दशा में हाई स्कूल से न्यून नहीं होगी। स्वतः श्रुतलेखक की व्यवस्था किये जाने पर अभ्यर्थी को परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व तक श्रुतलेखक की 02 आवक्ष फोटो एवं 01 पहचान-पत्र के साथ परिशिष्ट-6(2) प्रमाण-पत्र एवं परिशिष्ट-6(1) प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
5. अभ्यर्थी को अपरिहार्य परिस्थितियों में श्रुतलेखक को परिवर्तित किये जाने की सुविधा उपलब्ध होगी। अभ्यर्थी को विभिन्न भाषा विषय/प्रश्नपत्र में पृथक-पृथक श्रुतलेखक अनुमन्य किया जा सकता है, किन्तु एक विषय/प्रश्नपत्र में एक से अधिक श्रुतलेखक किसी भी दशा में अनुमन्य नहीं किया जाएगा।
6. अभ्यर्थी को सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत परिशिष्ट-6(1) प्रमाण-पत्र के बिन्दु संख्या-2 में अनुमोदित ऐसे सहायक उपकरणों के प्रयोग की अनुमति होगी, जिससे परीक्षा की शुचिता प्रभावित नहीं होती हो।
7. श्रुतलेखक हेतु अर्ह अभ्यर्थियों को 20 मिनट प्रति घण्टे का क्षतिपूर्ति समय प्रदान किया जाएगा। एक घण्टे से कम समय हेतु क्षतिपूर्ति समय 20 मिनट प्रति घण्टे के अनुपात में निर्धारित किया जाएगा जो 5 मिनट से कम नहीं होगा तथा 5 मिनट के गुणांक में होगा।
8. श्रुतलेखक हेतु अर्ह अभ्यर्थियों के लिये परीक्षा केन्द्र के भू-तल पर निर्धारित परीक्षा-कक्ष में बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।
9. उक्त दिशा-निर्देश शासनादेश संख्या : 374(1)/XXX(2)/2019-30(5)/2014 दिनांक 20 नवम्बर, 2019 के अनुपालन में आयोग द्वारा अनुमोदित दिव्यांगजन अभ्यर्थियों हेतु श्रुतलेखक एवं अन्य सुविधा प्रदान किये जाने सम्बन्धी मार्गदर्शिका सिद्धांत दिनांक 09 जून, 2020 से पृथक होंगे।

सचिव

परिशिष्ट-06 (1)

**Certificate for person with specified disability covered under the definition of Section 2(s) of the RPwD Act, 2016 but not covered under the definition of Section 2(r) of the said Act, i.e. persons having less than 40% disability and having difficulty in writing**

This is to certify that, we have examined Mr./Ms./Mrs.....(name of the candidate), s/o /D/o.....a resident of ..... (Vill/PO/PS/District/State), aged..... yrs. a person .....(nature of disability/condition), and to state that he/she with has limitation which hampers his/her writing capability owing to his/her above condition. He/she requires support of scribe for writing the examination.

2. The above candidate uses aids and assistive device such as prosthetics & orthotics, hearing aid (name to be specified) which is/are essential for the candidate to appear at the examination with the assistance of scribe.

3. This certificate is issued only for the purpose of appearing in written examinations conducted by recruitment agencies as well as academic institutions and is valid unto \_\_\_\_\_ (it is valid for maximum period of six months or less as may be certified by the medical authority)

Signature of medical authority

(Signature & Name)	(Signature & Name)	(Signature & Name)	(Signature & Name)	(Signature & Name)
Orthopedic/ PMR specialist	Clinical Psychologist/ Rehabilitation Psychologist/psychiatrist/ Special Educator	Neurologist (if available)	Occupational therapist (if available)	Other Expert, as nominated by the Chairperson (If any)
(Signature & Name)				
Chief Medical Officer/ Civil Surgeon/Chief District Medical Officer..... Chairperson				

Name of Government Hospital/Health Care Centre with seal

Place:

Date:

परिशिष्ट-06 (2)

**Letter of Undertaking by the person with specified disability covered under the definition of Section 2 (s) of the RPwD Act, 2016 but not covered under the definition of Section 2 (r) of the said Act, i.e. persons having less than 40% disability and having difficulty in writing.**

I \_\_\_\_\_, a candidate with \_\_\_\_\_ (nature of disability/condition) appearing for the \_\_\_\_\_ (name of the examination) bearing Roll No. \_\_\_\_\_ at \_\_\_\_\_ (name of the center) in the District \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_ (name of the State). My educational qualification is \_\_\_\_\_.

2. I do hereby state that \_\_\_\_\_ (name of the scribe) will provide the service of scribe for the undersigned for taking the aforementioned examination.

3. I do hereby undertake that his qualification is \_\_\_\_\_. In case subsequently it is found that his qualifications is not as declared by the undersigned and is beyond my qualification. I shall forfeit my right to the post or certificate/diploma/degree and claims relating thereto.

**(Signature of the candidate)**

(Counter signature by the parent/guardian, if the candidate is minor)

Place:

Date:

## परिशिष्ट-07

### **Experience Certificate For UREDA posts**

Name of Govt Department/Semi Govt Department/Agency/Corporation/Private Institution: .....

Address of Govt Department/Semi Govt Department/Agency/Corporation/Private Institution: .....

Logo of Office  
(If available)

Telephone No.....

Website: .....

Ref. No.....

Date .....

This is to certify that Shri/Smt./Km./Dr. .... Son/Daughter/Wife of shri..... is/was Junior Engineer of this Govt Department/Semi Govt Department/Agency/Corporation/Private Institution and duties performed by him/her during the period(s) are as under:

Name of post held	From (dd/mm/yy)	To (dd/mm/yy)	Total Period (yy/mm/dd)
01	02	03	04
Junior Engineer			

It is also certified that above facts and figures are true and based on service records available in our Department/Agency/Corporation/Institution.

**Date :**

**Place :**

**Sign .....**  
**(Signature & Name of Authorized Signatory in Capital Letters)**  
**Designation with seal**

**Name & Signature of Candidate :**

\* All fields in this form are mandatory to be filled. Incomplete format will not be accepted in any case.